दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-113, भोपाल रविवार 6 मार्च 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"अध्यापक मार्गदर्शक का काम करते हैं। चलना आपको स्वयं पड़ता है।"
- चीनी कहावत

अमूल के बाद अब मदर डेयरी ने भी बढ़ाए दूध के दाम

नई दिल्ली। अमूल के बाद अब मदर डेयरी ने भी दूध की कीमतें बढ़ा दी हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में अब ग्राहकों को मदर डेयरी के एक लीटर दूध के लिए दो रुपये अधिक चुकाने होंगे। दूध की बढ़ी कीमतें 6 मार्च 2022 यानी रविवार से प्रभावी होंगी। कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे कंपनी ने लागत बढने का हवाला दिया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि किसानों ने दाम बढ़ा दिए हैं। पैकेजिंग सामग्री और ईंधन की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है जिससे लागत में इजाफा हुआ है।

कंपनी की ओर से कहा गया है कि लागत बढ़ने से समानांतर दूध की कीमतें भी बढ़ानी पड़ रही हैं। नई कीमतें दूध के सभी वैरिएंट पर लागू होंगी। कंपनी ने कहा है कि बीते छह महीनों से इनपुट कास्ट में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। फिर भी हमने उपभोक्ताओं के लिए कीमतें स्थिर रखी हैं। कंपनी की ओर से दिल्ली-एनसीआर के अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी कीमतों में बढ़ोतरी के संकेत मिले हैं। कंपनी ने कहा है कि हरियाणा, पश्चिमी यूपी और उत्तराखंड में भी दूध की कीमतों को लेकर समीक्षा की जा रही है।

9 मार्च को छत्तीसगढ़ का बजट: विधानसभा अध्यक्ष बोले

सदन की कार्यवाही में अब हर साल बचेंगे 58 पेड़, करीब 10 टन कॉर्बनडाइ ऑक्साइड भी कम होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र सात मार्च से शुरू हो रहा है। शुरुआत राज्यपाल अनुसूईया उइके के अभिभाषण से होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 9 मार्च को साल 2022-23 का वार्षिक बजट पेश करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया, सदन की कार्यवाही में अब हर साल 58 पेड़ बचेंगे। वहीं पर्यावरण में करीब 10 टन कॉर्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन भी कम होगा।

डॉ. चरणदास महंत विधानसभा में इस सत्र से शुरू हुई सवाल-जवाब की ऑनलाइन प्रणाली के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने बताया, लेस पेपर प्रणाली के प्रभाव पर उन्होंने आईआईटी खड़गपुर के पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग से एक अध्ययन कराया है। उसकी प्रारंभिक रिपोर्ट आ गई है। इसके मुताबिक पिछले आठ सालों में विधायकों ने 36 हजार 650 सवाल लगाए हैं। यानी औसतन हर साल 4 हजार 550 सवाल पूछे गए हैं। प्रश्न पूछने से उसका उत्तर आने के प्रत्येक चरण में करीब 100 पेज का उपयोग संभावित है। ऐसे में सालाना चार लाख 55 हजार पेज खर्च होते हैं। अगर यह खर्च रुकता है तो करीब 2.2 टन कागज की बचत होगी। इसकी वजह से हर साल 9.68 टन

लकड़ी या 58 पेड़ कटने से बच जाएंगे। कागज बनाने की प्रक्रिया में लगने वाले एक लाख लीटर पानी की बचत होगी। वहीं इतनी बिजली बच जाएगी जितनी 73 घरेलू रेफ्रीजरेटर को एक साल तक चलाने के लिए काफी है। ढ्ढढ्ढञ्ज के अध्ययन में बताया गया है, इस पूरी प्रक्रिया से हर साल 9.9 टन कॉर्बनडाइ ऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी। दूसरे पर्यावरणीय प्रभावों की भी बारीक जानकारी इस अध्ययन में दी गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, पहली बार ही 90त्न सवाल ऑनलाइन ही मिले हैं।

क्या है यह सवाल-जवाब की ऑनलाइन प्रणाली

धानसभा सत्र की अधिसूचना जारी होने के बाद विधायक, विधानसभा के जरिए विभागों से लिखित सवाल पूछते हैं। इसके लिए एक तय प्रारूप में सवाल लिखकर देने होते हैं। विधानसभा इन प्रश्नों को छांटकर संबंधित विभाग को जवाब के लिए भेजती है। वहां से जवाब आने के बाद इनको छापा जाता है। इस साल से यह प्रक्रिया बदल दी गई है। विधायकों से ऑनलाइन सवाल मंगाए गए। सवाल छांटने के बाद विधानसभा ने ऑनलाइन ही उसे विभागों को भेज दिया। विभाग ने ऑनलाइन ही उसका जवाब भेज दिया।

सात को आ जाएगा अनुपूरक बजट

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया, सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। उसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल साल 2021-22 का तीसरा अनुपूरक बजट रखेंगे। इस अनुपूरक बजट पर चर्चा और पारण 8 मार्च को होगा। 8 मार्च को ही राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा प्रस्तावित है।

10 स्थगन प्रस्ताव मिल चुके

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बताया, इस बार विधायकों ने एक हजार 682 सवाल पूछे हैं। इनमें से 854 को तारांकित श्रेणी में रखा गया है। 828 सवाल अतारांकित श्रेणी में डाले गए हैं। अब तक ध्यानाकर्षण की 114 सूचनाएं मिल चुकी हैं। 10 प्रस्ताव काम रोककर तुरंत चर्चा की मांग के हैं। वहीं अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा की मांग वाली चार सूचनाएं भी विधानसभा सचिवालय पहुंची हैं। विधायकों ने 7 अशासकीय संकल्प की सूचना भी भेजी है।

चुनावों की वजह से छोटा सत्र

बजट सत्र को छोटा रखने से जुड़े एक सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, अधिकतर विधायकों की ड्यूटी विधानसभा चुनावों में लगी थी। इसी वजह से सत्र को छोटा रखा गया है। इससे पहले उन्होंने कहा था, पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। वहां विधायकों की व्यस्तता की वजह से सत्र फरवरी से शुरू होने की जगह मार्च में होगा। डॉ. महंत ने यह भी फिर दोहराया है कि वे राज्यसभा जाना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए वे दावेदारी नहीं करेंगे।

रवींद्र जडेजा ने खेली टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रवींद्र जडेजा ने मोहाली टेस्ट मैच की पहली पारी में नाबाद 175 रन बनाए और ये उनके टेस्ट क्रिकेट करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी साबित हुई। रवींद्र जडेजा को थोड़ा सा वक्त और मिलता तो शायद वो दोहरा शतक लगा लेते, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ना पारी की घोषणा कर दी और जडेजा इस उपलब्धि को हासिल करने से चूक गए। शायद रोहित शर्मा का ये फैसला थोड़ा सा अटपटा जरूर रहा। भारतीय टीम ने पहली पारी की घोषणा जब की तब टीम इंडिया ने 8 विकेट के नुकसान पर 574 रन बना लिए थे।

जडेजा ने खेली टेस्ट करियर की बेस्ट पारी: रवींद्र जडेजा ने इस मैच की पहली पारी में 228 गेंदों का सामना करते हुए 3 छक्के और 17 चौकों की मदद से नाबाद 175 रन बनाए और ये उनके टेस्ट करियर की अब तक की बेस्ट पारी रही। इससे पहले उन्होंने साल 2018 में राजकोट में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 100 रन की पारी खेली थी। भारतीय धरती पर ये रवींद्र जडेजा का दूसरा टेस्ट शतक रहा साथ ही ये उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक साबित हुआ।

जावेद अख्तर ने की अभियान ऑपरेशन गंगा की सराहना

नई दिल्ली। गीतकार जावेद अख्तर ने मोदी सरकार द्वारा रूस और युक्रेन की लड़ाई के बीच फंसे छात्रों को निकालने के लिए चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन गंगा की सराहना

की हैद्य जावेद अख्तर ने एक प्रेस वार्ता में अपनी बात कही हैद्य यह प्रेस वार्ता में महाराष्ट्र के पुणे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शुक्रवार को आयोजित की गई थी। जावेद अख्तर ने कहा है, मुझे विश्वास है कि यह सरकार हमारे बच्चों को वापस लाने के लिए पूरा प्रयास कर रही है। मुझे उनपर एक क्षण के लिए भी शक नहीं हैद्य हमारे बच्चों की सुरक्षा के लिए पूरा प्रयास कर रहे होंगेद्य मैंने भी यह बातें सुनी है कि बच्चों को निकालने के लिए सुरक्षित कॉरिडोर बनाया गया है। यह बहुत ही अच्छी बात है।

पीएम आज पुणे में मेट्रो रेल परियोजना का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 मार्च को पुणे दौरे पर जाएंगे। पीएम मोदी का यह दौरा बेहद खास होने वाला है, जिसमें वह पुणे मेट्रो रेल परियोजना को हरी झंडी दिखाएंगे। यह परियोजना 11,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पूरी की गई है। इस बात कि जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई है, जिसमें कहा गया कि पीएम मोदी रविवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। 6 मार्च यानि रविवार के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बड़े का कार्यक्रमों का उद्घाटन करेंग, जिसमें पीएम मोदी मेट्रो रेल का उद्घाटन करने के साथ अन्य विकास परियोजनाओं की भी शुरुआत करेंगे।

अखिलेश की सभा में भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक समाजवादी पार्टी में शामिल

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में अंतिम चरण के मतदान से दो दिन पहले तक दल-बदल के साथ पार्टी में शामिल होने का सिलसिला जारी है। शनिवार को आजमगढ़ में अखिलेश यादव की चुनावी सभा में प्रयागराज से भारतीय जनता पार्टी की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी औपचारिक रूप से समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। बीते दिनों इनकी शिष्टाचार भेंट ने आज रंग दिखाया। अखिलेश यादव ने इस दौरान मंच से पूर्व आइएएस अधिकारी कुंवर फतेह बहादुर को भी जमकर सराहा। अखिलेश यादव ने आजमगढ़ में एक चुनावी सभा को संबोधित

किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी आज समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इनकी भाजपा में अनदेखी हो रही थी। रीता बहुगुणा जी भी पहले समाजवादी पार्टी में थीं। हम लोग मयंक जोशी के अनुभव का भी काम लेंगे।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंच पर मौजूद आजमगढ़ निवासी पूर्व वरिष्ठ आइएएस अधिकारी कुंवर फतेह बहादुर के प्रदेश की कानून-व्यस्था को पटरी पर लाने के काम को भी जमकर सराहा। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के गठबंधन की सरकार की फतेह होने से अब अब कोई भी नहीं रोक सकता है। जहां इनके आने से फतेह होने जा रही है, वही यह बहादुर अधिकारी हैं, सरकार में कानून-व्यवस्था को सुधारने के काम में हमको इनकी मदद लेने की जरूरत पड़ेगी तो यह बहादुरी से ही काम करेंगे।

पिछले सात दिनों में रोमानिया और मोल्दोवा से निकाले गए 6 हजार से ज्यादा भारतीय: सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन पर हमले के बीच आपरेशन गंगा के तहत भारत तेजी से अपने छात्रों की स्वदेश वापसी अभियान में लगा हुआ है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि रोमानिया और मोल्दोवा से पिछले सात दिनों में 6,222 भारतीयों को निकाला गया है। छात्रों को बुखारेस्ट (सीमा से 500 किलोमीटर) के बजाय सुसेवा (सीमा से 50 किलोमीटर) में उड़ाने संचालित करने के लिए लाया लगा है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों में 1,050 छात्रों को निकाला जाएगा।

वहीं, दूसरी ओर पूर्वोत्तर यूक्रेन के सूमी में फंसे भारतीय छात्रों की वीडियो अपील के बाद युद्धग्रस्त देश

में भारतीय दूतावास ने आज कहा कि वह उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। सुबह एक ट्वीट में दूतावास ने कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठन रेड क्रास सहित सभी वार्ताकारों के साथ निकासी और निकास मार्गों की पहचान पर चर्चा की है।

सूमी में 700 और खार्किव में 300 छात्र हैं फंसे

बता दें कि भारत ने शुक्रवार को रूसी और यूक्रेनी सैनिकों द्वारा खार्किव और सूमी के संघर्ष क्षेत्रों से अपने नागरिकों को निकालने के लिए संघर्ष विराम की मांग की थी। कम से कम 1,000 भारतीय छात्र (सूमी में 700 और खार्किव में 300) अभी भी पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें निकालने के लिए बसों की व्यवस्था करना अभी सबसे बड़ी चुनौती

गृह मंत्री ने स्व. रजक जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

दतिया। मप्र के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को दतिया के ग्राम चिरौली में जनपद पंचायत सदस्य व भाजपा कार्यकर्ता लल्ला रजक जी के ताऊजी स्व. छिक्के रजक जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इससे पहले ग्राम चिरौली जाते समय मार्ग में भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने श्री मिश्रा का जगह-जगह स्वागत किया। स्वागत से भाव विभोर होकर उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के प्रति आभार जताया।

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के एडवांस वर्जन का हुआ सफल परीक्षण, सटीक जगह लगाया निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना ने शनिवार को आइएनएस चेन्नई से लम्बी दूरी तक हमला करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की सटीकता का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। नौसेना के अधिकारियों ने कहा कि मिसाइल ने एक विस्तारित रेंज को पार करने और जटिल युद्धाभ्यास करने के बाद सटीकता के साथ अपने इच्छित लक्ष्य को हिट किया है। इस मिसाइल में कई एडवांस फीचर लाए गए हैं जिससे इसकी मारक क्षमता और बढ़ गई है। बता दें कि ब्रह्मोस

मिसाइल और आइएनएस चेन्नई दोनों स्वदेशी रूप से निर्मित हैं और भारतीय मिसाइल और जहाज निर्माण कौशल की अत्याधुनिकता को उजागर करते हैं। नौसेना के अधिकारियों के अनुसार ये कदम आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया प्रयासों के लिए एक मील का पत्थर साबित होने वाला है। जानकारी के अनुसार इस उपलब्धि ने भारतीय नौसेना की क्षमता को और भी गहरा हमला करने और समुद्र से दूर भूमि संचालन को प्रभावित करने की क्षमता को स्थापित किया।

कार्टून

सबका साथ सबका विकास सिर्फ नारा नहीं, यह हमारा कमिटमेंट: मोदी

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार बनारस में विधानसभा चुनाव की अंतिम सभा को संबोधित करने सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के खजुरी पहुंच रहे हैं। शनिवार को वाराणसी में अंतिम चरण के चुनाव के लिए प्रचार का अंतिम दिन है। जबकि सात मार्च को मतदान वाराणसी में होना है। वहीं खजुरी की जनसभा के लिए पीएम के आने से पहले ही लोगों का हुजूम सभास्?थल पर पहुंचा। वहीं पीएम नरेन्?द्र मोदी की जनसभा के दौरान मंच पर जिले के सभी प्रमुख पार्टी उम्?मीदवार भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री जनसभा स्थल पर दोपहर 1.30 बजे पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंच पर चढ़ते ही विधायक नीलरत्न पटेल से उनके स्वास्थ्य का हाल पूछा।

पीएम ने मंच से जनता को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर वार किया। पीएम ने सपा कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि घोर परिवारवादी देश हित में नहीं अपने हित में काम किया। पीएम ने कहा यहीं से 2014 का डंका बजल रहल... यह इस चुनाव की आखिरी सभा है। इस सदी में कई चुनौतियां रही हैं, सरकार उन सभी चुनौतियों से बेहतर तरीके से लड़ रही है।

कहा कि मित्रों मेरी यह आखिरी सभा है। उत्तर प्रदेश ने अभी तक ऐसा चुनाव नहीं देखा होगा। जब कोई सरकार विकास, सुदृण कानून व्यवस्था देने के दम पर जनता का आशीर्वाद मांग रही हो। बांदा से लेकर बहराइच तक पूरा यूपी बिना बटे एक जुट होकर कह रहा है आएगी तो भाजपा ही, आएंगे तो योगी ही। गुंडागर्दी, भाई भतीजावाद, परिवारवाद को लोग नकार चुके हैं। जो लोग केवल अपना विकास करें और अपने परिवार का विकास करे उनका साथ

दोगे क्या। यह जो कहते हैं वह करते नहीं और जो नहीं कहते वह करवाते हैं। परिवारवाद के लोगों के घोषणा पत्र में दंगा तो नहीं था। पर उन्होंने पांच साल तक दंगे ही दंगे करवाए। दफ्तरों और थानों में पांच साल भाई भतीजावाद ही चलता रहा।

काशी के पुरातनता को बनाए रखते हुए आधुनिक स्वरूप देना, बिजली के तारों के जंजाल से मुक्ति, चौड़ी होती सड़कें, नए सड़क और फ्लाईओवर, 450 सौ करोड़ रुपये किसानों के खाते में पहुंचाया गया, कार्गो सेंटर, गोबर गैस प्लांट, दूध प्लांट, चावल अनुसंधान, प्राकृतिक खेती पर काम हुआ है। दस मार्च को चुनाव नतीजे आने के बाद और भी विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर काम किया जायेगा। पहले कैंसर का इलाज मुंबई और दिल्ली में होता था अब काशी में हो रहा है। यही तो विकास है। इससे पूर्वांचल के लोगों में विश्वास बढ़ा है। 21 वीं सदी देश के लिए कुछ चुनौतियां लेकर आया है। इसमें हम अवसर खोजेंगे।

आज पंचायत के चुनाव में लोग वोट देते हैं तब लोग विकास के नाम पर वोट देते हैं। तो फिर यह तो विधानसभा का चुनाव है। भारत के लोग जब संकट से जूझते हैं तब परिवारवाद के लोग उसमें मदद के बजाए और उनको संकट में डालता है। यह हमने कोरोना के समय भी देखा। और आज यूक्रेन संकट के समय में भी देख रहा हूं। नकारात्मकता इनकी विचार धारा बन गयी है। देश का खजाना भले ही खाली हो जाए लेकिन गरीबों की रसोई का चूल्हा हमेशा जलता रहे। देश की आजादी के बाद लगातार दो साल तक गरीबों को मुफ्त राशन दिया गया। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमें उन गरीबों का आशीर्वाद मिलता रहा है। भाईयों बहनों आप सबने टीका लगवाया क्या। क्या आपको कहीं पैसा देना पड़ा। जब नहीं तब भी परिवारवाद के लोगों के मुंह से कभी एक सही शब्द निकला क्या। हमने दस करोड़ शौचालय बनवाया। हमें उन माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिला है। उन माताओं-बहनों ने उसे इज्जत घर का नाम दिया है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान को जन्म-दिवस की दीं शुभकामनाएँ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के जन्म दिवस पर मंत्रीगण, जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्यकर्ता और जन-सामान्य ने शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री निवास में विभिन्न समाज के व्यक्ति मुख्यमंत्री श्री चौहान को जन्म-दिवस की बधाई देने के लिए एकत्र हुए। आगंतुकों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट कर उनकी दीर्घायु और स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान से जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, वन मंत्री कुंवर विजय शाह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, पूर्व महापौर श्री आलोक शर्मा, जन-प्रतिनिधि श्री भगवानदास सबनानी, श्री राहुल कोठारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भेंट कर जन्म-दिन की शुभकामनाएँ दी।

परियोजना तभी पूरी मानी जायेगी जब 24/7 जल आपूर्ति होगी

भोपाल। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के प्रबंध संचालक श्री निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने इस वर्ष मार्च और जून माह में पूरी होने वाली परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोई भी जल प्रदाय परियोजना तभी पूर्ण मानी जाएगी जब नगर में 24 घंटे 7 दिन जल प्रदाय प्रारंभ हो जायेगा। कंपनी द्वारा क्रियांवित की जा रही 32 परियोजनाएँ मार्च में तथा 31 परियोजनाएँ जून में पूरी करने का लक्ष्य है। इन परियोजनाओं में जल प्रदाय, सीवरेज और मिनी स्मार्ट सिटी के कार्य शामिल हैं। प्रबंध संचालक ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए की हर घर में मीटरयुक्त नल कनेक्शन हो। समस्त जल प्रदाय परियोजना जल प्रदाय करने में तकनीकी रूप से सक्षम हों। श्री श्रीवास्तव ने जल प्रदाय परियोजना कसरावद, गंजबसौदा और मैहर मिनी स्मार्ट सिटी परियोजना तथा चित्रकूट और अमरकंटक सीवरेज परियोजना में हो रहे विलंब के लिए अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को काम शीघ्र पूरा करने की हिदायत दी। प्रबंध संचालक ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करें कि कार्य निर्धारित समय में पूरा हो। यह अंतिम अवसर है, अन्यथा अनुबंध के प्रावधान अनुसार कार्यवाही की जायेगी। अतिरिक्त प्रबंध संचालक श्रीमती रूचिका चौहान,प्रमुख अभियंता श्री दीपक रत्नावत और मुख्य अभियंता श्री विजय गुप्ता सहित समस्त परियोजना प्रबंधक, परियोजना प्रबंधन सलाहकार फर्म के टीम लीडर और संविदाकार मौजूद थे।

जन-जन में सफाई गतिविधियों का दायित्व बोध विकसित करने जन्म-दिवस पर प्रस्तुत किया अनूठा उदाहरण

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने जन्म-दिवस पर दिया स्वच्छता का संदेश

बीजासेन बस्ती में स्वयं किया गीले और सूखे कचरे का पृथक-पृथक संकलन

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सफाई का काम सबसे बड़ा काम है, इसे छोटे काम के रूप में हेय दृष्टि से देखना उचित नहीं है। स्वस्थ जीवन के लिए भी स्वच्छता आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी देश को स्वच्छता का मंत्र दिया है। हमें स्वच्छ भारत बनाना है तो सफाई के कार्य को सम्मान की दृष्टि से देखना होगा और सफाई की गतिविधियों में प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं भी भाग लेना होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जन-जन को सफाई गतिविधियों के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ही मैंने आज अपने जन्म-दिवस पर बीजासेन बस्ती आकर सफाई की है। साथ ही घरों से गीला और सूखा कचरा एकत्र कर कचरा वाहन में इसे पृथक-पृथक डाला है। इसका निरंतर अनुसरण करने के लिए जन-सामान्य को प्रेरित करना ही हमारा उद्देश्य है। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने जन्म-दिवस पर भोपाल की बीजासेन बस्ती में स्वच्छता कार्य करने के बाद स्वच्छता मित्रों और उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अपने घर, गली-मोहल्ले, गाँव और शहर को साफ रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को दायित्वबोध विकसित करना होगा। इंदौर की तरह ही भोपाल को भी स्वच्छता में श्रेष्ठ बनाना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वच्छता के साथ वर्ष में एक बार पौध-रोपण के लिए भी प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बीजासेन बस्ती में सफाई मित्रों के साथ सफाई की तथा बस्ती के घरों से गीला एवं सूखा कचरा एकत्र कर कचरा वाहन में डाला। पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता, पूर्व नगर निगम सभापति श्री रामदयाल प्रजापति भी उपस्थित थे।

भोपाल में PhD स्टूडेंट से लव में धोखा

प्यार में फंसाकर रेप, पैसे ऐंठे; शादी की बात पर बोला- सिर्फ रिलेशन बनाने के लिए दोस्ती की थी

भोपाल

भोपाल में लव में धोखे का मामला सामने आया है। PhD छात्रा को प्यार में फंसाकर आरोपी तीन साल तक दुष्कर्म करता रहा। इमोशनल ब्लैकमेल कर रुपए भी ऐंठे। कुछ दिन पहले छात्रा के शादी की बात करते ही आरोपी अपनी बात से मुकर गया। इतना ही नहीं उसने कहा कि वह तो सिर्फ फिजिकल रिलेशन के लिए उससे प्यार का नाटक कर रहा था। अब वह घरवालों की मर्जी के खिलाफ शादी नहीं कर सकता है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बागसेवनिया में रहने वाली 28 वर्षीय छात्रा साइकोलॉजी में PhD कर रही है। मिसरोद पुलिस के अनुसार करीब तीन साल पहले उसकी पहचान फरवरी 2019 में विवेक दुबे नाम के युवक से हुई। छात्रा ने बताया कि वह विवेक से एक सलून में मिली थी। पहली ही मुलाकात में विवेक ने शादी का प्रस्ताव रखा। शादी की बात मानने के बाद उनके बीच लगातार बातचीत होने लगी। करीब 5 महीने बाद 27 जुलाई 2019 में विवेक ने उसे मिसरोद में अपने घर पर मिलने बुलाया। वह उसके घर की जगह कहीं सार्वजनिक जगह पर मिलना चाह रही थी। छात्रा ने आरोप लगाया कि विवेक ने कहा कि वह उसके घर जा आए। वहां वह पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। उसकी बातों में आकर वह उसके घर चली गई। घर पर विवेक ने शादी करने का वायदा करते हुए उससे पहली बार शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह शादी की बात करते हुए उससे रेप करता रहा। इतना ही नहीं इमोशनल ब्लैकमेल करते हुए रुपए भी लेता रहा। वह उसे अक्सर रुपए भी देती रही।

इस तरह खुला राज

छात्रा ने बताया कि विवेक शादी करने की बात को हर बार टाल देता। तीन साल से वह इसी तरह उससे दुष्कर्म करता रहा और रुपए लेता रहा। कुछ दिन पहले उसे पता चला कि विवेक के कुछ और लड़कियों से संबंध हैं। इसके बारे में पूछने पर विवेक ने कहा कि वह उससे शादी नहीं कर सकता है। वह तो सिर्फ उससे शारीरिक संबंध बनाने के लिए प्यार का नाटक करता रहा। अब उसे उसकी जरूरत नहीं है। वह इस रिश्ते के बारे में घर में नहीं बता सकता है। उसके घर वाले जहां बोलेंगे, वह वहीं शादी करेगा। यह कहते उसने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद ही छात्रा ने मिसरोद पुलिस से आरोपी प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में FIR दर्ज कराई।

मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता में 15 मार्च तक हो सकते हैं शामिल : राजन

भोपाल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता जागरूकता और प्रत्येक वोट के महत्व के लिये %%माय वोट इज माय फ्यूचर-पॉवर ऑफ वन वोट%% प्रतियोगिता की जा रही है। प्रतियोगिता में कोई भी नागरिक 15 मार्च तक शामिल हो सकता हैं। प्रतियोगिता के संबंध में https//ecisveep.nic./contest/ से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। प्रतिभागियों के लिये प्रतियोगिता में अनेक आकर्षक पुरस्कार भी रखे गये हैं। श्री राजन ने नागरिकों एवं छात्र-छात्राओं से मतदाता जागरूकता के लिये होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में प्रोजेक्ट कार्य शामिल:- उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार शुक्ला ने बताया कि नवीन शिक्षा प्रणाली में स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में प्रोजेक्ट कार्य शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत सरोजनी नायडू शासकीय कन्या स्नाकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय शिवाजी नगर, भोपाल की 10 छात्राएँ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में प्रोफेसर श्रीमती रेनू पाटीदार के समन्वय में 28 फरवरी से 23 मार्च तक 60 घन्टे का प्रोजेक्ट वर्क कर रही हैं। प्रोजेक्ट वर्क में 8 छात्राओं द्वारा 3 मार्च को क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया गया, जिन्हें आयोग द्वारा ई-सर्टिफिकेट एवं गोल्डन/सिल्वर बैज प्रदान किए गए।

मधुकुंअर अब आर्थिक रूप से हैं आत्म-निर्भर

- » प्रतिमाह कमा रही हैं 10 से 12 हजार रूपये
- » बैंक सखी के रूप में भी बनाई अपनी पहचान

भोपाल

जय बजरंग बली स्व-सहायता समूह% की सदस्य मधुकुंअर अब आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर हो गई हैं। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के जुड़ने के बाद उनके समूह को बैंक से 01 लाख रूपये का ऋण मिला और उन्होंने गणवेश सिलाई का कार्य सहित अन्य कार्य भी प्रारंभ किए। इनसे उन्हें प्रतिमाह 10 से 12 हजार रूपये की आमदनी हो रही है। बैंक सखी के रूप में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। नीमच जिले के ग्राम धनेरिया कलां की मधुकुंअर स्व-सहायता समूह में जुड़ने से पहले गृहणी का ही कार्य करती थी। उनके पति वाहन चालक थे। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। जैसे-तैसे गुजर-बसर होती थी। आजीविका मिशन से वे स्व-सहायता समूह से जुड़ीं और उन्होंने आर्थिक गतिविधियाँ प्रारंभ कीं। अब उन्हें नियमित रूप से आमदनी होने लगी है। उन्होंने 40 हजार रूपये का ऋण लिया तथा स्वयं थोड़ी राशि मिलाकर किश्तों पर वाहन भी खरीद लिया है। इस वाहन को उनके पति चलाते हैं। अब उनके पति को दूसरों के वाहन नहीं चलाने पड़ते। साथ ही नियमित आमदनी भी होती है। मधुकुंअर का आजीविका मिशन द्वारा बैंक सखी के रूप में भी चयन कर लिया गया है। अब वे बैंक जाने लगी हैं तथा गाँव की महिलाओं को बैंकों से लेन-देन आदि में सहयोग करने लगी हैं। इससे उनकी गाँव में पहचान बैंक सखी के रूप में हो गई है। अब वे न केवल नियमित आजीविका कमा रही हैं अपितु सम्मान से जीवन-यापन कर रही हैं। उनका परिवार खुशहाल हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से आपरेशन गंगा को मिल रही सफलता

[illegible]

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

न्यूज ब्रीफ

वर्मा ने कार्यभार ग्रहण किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष पद पर श्री आर.एन. वर्मा को नियुक्त किया गया है। इस संबंध में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्रालय से आदेश जारी किया गया है। शासन द्वारा उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा भी दिया गया है। सचिव छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग से मिली जानकारी के अनुसार श्री वर्मा ने आयोग के उपाध्यक्ष के पद पर विगत 15 फरवरी को पदभार ग्रहण कर लिया है।

वर्षों से लंबित अभिलेख दुरुस्ती निराकरण होने पर हितग्राही खुश

सूरजपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा अनुसार राजस्व मामले बंटवारा ,सीमांकन सहित आम जनता के विभिन्न समस्याओं की त्वरित निदान हेतु जनदर्शन सह जनसंवाद कक्ष कलेक्टोरेट में स्थापित किया गया है जिसमे जो भी अपनी मांगों एवं समस्या को लेकर जिला मुख्यालय आता है कलेक्टर उसकी आवेदन को अवलोकन करके सम्बंधित विभाग को जनदर्शन सह जनसवाद में बुला कर तत्काल निराकरण करने के निर्देश देते है। आज जनदर्शन सह जनसंवाद कक्ष से वर्षों से लंबित अभिलेख दुरुस्ती निराकरण होने का फोन हितग्राही के पास गया। हितग्राही कई वर्षों से लंबित प्रकरण के निराकरण होने पर बेहद खुश हुए और सरगुजा कमिश्नर एवं कलेक्टर से बात कर त्वरित निराकरण से जिला प्रशासन के प्रति कृतज्ञता जहर की। गौरतलब है कि ग्राम जमदेई निवासी भुनेश्वर दास पिता रघुवर दास ग्राम जमदेई के दो प्रकरण क्रमशरू 2015 तथा 2020 से बटवारा एवं नामांतरण के प्रकरण लंबित था जिसका आदेश कर अभिलेख सुधार कर बी 1, खसरा, नक्शा किसान किताब की प्रति दी गई। समस्याओं का निराकरण की जानकारी फोन के माध्यम से दी गई। वहीं बरन राम प्रति मोहर साय बगै ग्राम जगनाथपुर ने अभिलेख दुरुस्ती के लिए आवेदन दिया था उसके भी निराकरण हुआ उसने सरगुजा कमिश्नर श्री जी आर चुरेंद्र एवं डॉ गौरव कुमार सिंह ने हितग्राही से जनदर्शन सह जनसंवाद कक्ष से फोन के माध्यम से बात कर हालचाल जाना तथा अन्य किसी प्रकार की समस्या होने पर अवगत कराने कराने कहा। समस्याओं का निराकरण होने पर हितग्राही ने कमिश्नर एवं कलेक्टर सहित राजस्व अमला को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

योजना का लाभ लेने धान के बदले अन्य फसल ले रहे कृषक

सूरजपुर। जिले के कई किसान जो अभी तक धान की फसल ले रहे हैं। वे अब राजीव गांधी किसान न्याय योजना एवं मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना से प्रेरित होकर अन्य फसलों की खेती की ओर रूझान दिखा रहे है। सरगुजा कमिश्नर श्री जी.आर चुरेंद्र एवं कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने धान के बदले अन्य फसल ले रहे कृषकों को कलेक्ट्रेट स्थित जनदर्शन सह जनसंवाद कक्ष में फूल माला पहनाकर किया सम्मानित। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री राहुल देव, उप संचालक कृषि श्री डी सी कोसले, तहसीलदार रिचा सिंह, श्री शैलेंद्र जयसवाल एवं अन्य उपस्थित थे। ग्राम पवनपुर के कृषक श्री देवी दयाल पिता रामप्यारी, श्री राम लखन सिंह पिता श्री घूरन सिंह एवं ग्राम नरेशपुर के कृषक लोल प्रसाद सिंह पिताश्री शीतल राम जो कि अपने खेतों में कई वर्षो से धान की खेती करते आ रहे थे। लेकिन इस बार उन्होंने दो एकड़ में सुगंधित धान लगाकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने इच्छुक है। इसी तरह लाल प्रसाद सिंह भी 1 एकड़ में सुगंधित धान लगाकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने इच्छुक है।

राज्यपाल सुश्री उइके शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में हुई शामिल

बस्तर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए की जाएगी ठोस पहल : राज्यपाल

रायपुर । राज्यपाल सुश्री अनुसूईया उइके आज बस्तर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के तीसरा दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। राज्यपाल सह कुलाधिपति सुश्री अनुसुईया उइके द्वारा दीक्षांत के गरिमामयी अवसर पर 95 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। साथ ही वर्ष 2019-20 तथा 2020-21 में उत्तीर्ण स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल सुश्री उइके ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पदक प्राप्त करने वालों विद्यार्थियों में लगभग 75 फीसदी बालिकाएं हैं, जो इस बात का सूचक है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। ये अपनी दक्षता, क्षमता और प्रतिबद्धता से नए भारत की गाथा लिखने को तैयार हैं। सुश्री उइके ने कहा कि प्रकृति की सुरम्य गोद में बसे बस्तर के विद्यार्थी कोरोना जैसी कठिन परिस्थिति में भी अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहे और अपने अथक परिश्रम एवं साधना से वांछित लक्ष्य को प्राप्त किया।

सुश्री उइके ने कहा कि जनजातीय बाहुल्य अंचल में स्थापित इस विश्वविद्यालय ने दूर दराज के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि अंचल के आदिवासी युवाओं के उच्च शिक्षा के सपने को साकार करने के लिए बस्तर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने बस्तर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए हर संभव प्रयास किए जाने की बात कही। राज्यपाल ने युवा विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी यहां की भौगोलिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों को बेहतर ढंग से जानने के साथ ही समाज से सीधे जुड़े हुए हैं। बस्तर से बाहर जाने पर यहां के आदिवासियों की सहज सरल व्यवहार, सुरम्य वातावरण तथा प्रकृति द्वारा इस अंचल को दिए गए सौन्दर्य के उपहार के संबंध में जरुर बताएं। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए समाज को कुछ लौटाने का सुअवसर आ गया है। उन्होंने सभी युवाओं से अपने दायित्वों का निवर्हन करने और देश-प्रदेश की उन्नति में भागीदार बनने की अपील की।

मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अरुण कुमार सिन्हा ने शिक्षा को निरंतर प्रवाहित होने वाली धारा बताया। उन्होंने औपचारिक शिक्षा के साथ ही अनौपचारिक शिक्षा को व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। कुलपति डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह ने इस अवसर पर शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में हो रहे विकास के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर सांसद श्रीमती फुलोदेवी नेताम, श्री दीपक बैज, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, विश्वविद्यालय के व्याख्यातागण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रोफेसर ने फीस भरी

चैतन ने पढ़ाई छोड़ने की बात कॉलेज की इतिहास की प्रोफेसर शिखा सरकार को बताया था। पढ़ाई छोड़ने का निर्णय लेने पर पहले मैडम ने जमकर फटकार लगाई, फिर हौसला बढ़ाया। कॉलेज की फीस भी प्रोफेसर शिखा सरकार भरने लगीं। ग्रेजुएशन के बाद इतिहास विषय चुना और इसी में साल 2020 में 74त्न लाकर पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री हासिल की। इधर, कॉलेज की प्रोफेसर शिखा सरकार ने बताया कि मैंने सिर्फ मार्गदर्शन दिया। बच्चे की मेहनत ने इसे गोल्ड मेडल दिलवाया। मुझे सबसे ज्यादा खुशी है।

12 से 15 घंटे करता था पढ़ाई

गोल्ड मेडल हासिल करना चैतन कर लिए आसान नहीं था। हर दिन 12 से 15 घंटे तक पढ़ाई करता था। जब हॉस्टल के कमरे में साथी सो जाते तो बाहर बरामदे में बैठ पढ़ाई करता था। चैतन ने कहा कि पढ़ाई करते वक्त उसे अपनी आंखों के सामने पिता की मेहनत, चाचा का पैसा और प्रोफेसर ने जो हौसला बढ़ाया था वो नजर आता था। इस लिए मैनें पढ़ाई कर अव्वल आने की ठानी। और पढ़ाई के लिए दिन रात एक कर दिया। चैतन वर्तमान में जगदलपुर के एक वाहन शो रूम में काम कर रहा है। साथ ही सेट परीक्षा की तैयारी भी कर रहा है।

जब कॉलेज की प्रोफेसर ने चैतन को बताया कि उसे दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल मिलने वाला है तो उसने सबसे पहले अपने माता पिता को इसकी जानकारी दी। पिता ने बेटा से सवाल पूछा कि ये गोल्ड मेडल क्या होता है? तो चैतन ने जवाब में इसे इनाम बताया। चैतन ने कहा कि घर जाकर सबसे पहले माता पिता के हाथों में ये मेडल रखूंगा और इसका महत्व बताऊंगा।

दो बाइक की टक्कर में सिपाही की मौत

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांगजीर में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई। वह अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। तभी सामने से आ ही दूसरी बाइक से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे में कांस्टेबल के सिर पर गंभीर चोट लगी और काफी खूल बह गया। इसके चलते उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा बलौदा थाना क्षेत्र में हुआ।

जानकारी के मुताबिक, बलौदा के उप थाना पनतोरा चौकी में पदस्थ कांस्टेबल सहदेव निर्मलकर (30) गुरुवार रात करीब 9 बजे ड्यूटी खत्म कर अपने घर बलौदा जाने के लिए बाइक से निकला था। अभी वह खिसोरा जंगल के पास मेन रोड पर पहुंचा था कि सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से टकरा गया। टक्कर के बाद सिपाही सहदेव उछलकर नीचे गिरा और उसकी मौत हो गई।

भाग निकला बाइक सवार

बताया जा रहा है कि सिर पर लगी चोट और ज्यादा खून बहने से सहदेव की मौत हुई है। हादसे के बाद दूसरा बाइक चालक मौके से भाग निकला। यह भी कहा जा रहा है कि अगर सहदेव को हादसे के बाद समय पर अस्पताल लाया जाता तो उसकी जान बच सकती थी, लेकिन पुलिस को सूचना मिलने में काफी देर हो गई। फिलहाल मर्ग दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर में घुसकर लड़ने लगे 2 भालू

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में लोग उस समय दहशत में आ गए , जब 2 भालू घर के आंगन में ही घुस गए। दोनों अचानक अंदर आए और लड़ने लगे। ये देखकर परिवार के लोग डर गए और अपने आप को दरवाजे के अंदर कैद कर लिया। बताया गया कि दोनों भालू काफी देर तक घर के आंगन में ही लड़ते रहे। लोगों के काफी चिल्लाने के बाद उनमें से एक बाहर निकलने के लिए दीवार पर चढ़ गया। फिर अचानक दीवार से उतरकर वापस उस घर के पीछे वाले घर में चल गया।

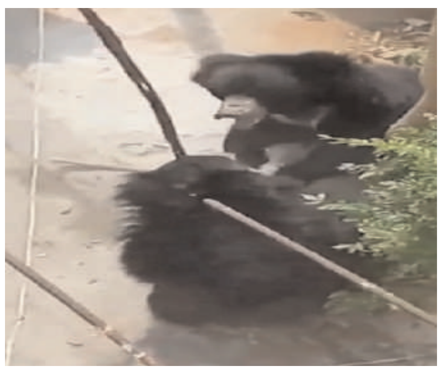

कांकेर शहर के कुछ इलाकों में भालू का आना तो आम बात है। मगर इस तरह से घर में घुसकर भालुओं के आपस में झगड़े के मामले कम ही देखने को मिलते हैं। लेकिन शनिवार सुबह ऐसा ही हुआ। शहर के शिव नगर वार्ड में सुबह लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त थे, तभी 2 भालू गली में पहुंचे। इसके बाद एक घर के अंदर जाकर आंगन तक पहुंच गए। कोई कुछ कर पाता, इससे पहले ही दोनों आपस में झगड़ा करने लगे और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। ये देखकर लोगों ने उन्हें भगाने का प्रयास किया। मगर उन पर कोई असर नहीं हुआ दोनों के बीच काफी देर तक झगड़ा होता रहा।

आस-पास के लोगों ने बताया कि दोनों करीब आधे घंटे से घर के अंदर लड़ रहे थे। अचानक उनमें से एक बाहर भी आ गया तो दीवार फांदकर बाहर जाने का प्रयास करने लगा। फिर पता नहीं क्या हुआ कि वह वापस लौटा और उसी घर के पीछ वाले घर में घुस गया। इसके बाद वहां कुछ देर रहने के बाद गली में आ गया। इतने में दूसरा भालू भी वहां पर पहुंचा। बाद में दोनों सड़क के रास्ते से ही भागते-भागते जंगल की ओर चले गए। इधर, ये भी जानकारी सामने आई है कि शहर के आदर्श नगर वार्ड में कुछ भालू शिवरात्रि के दिन से लगातार आ रहे हैं। वे यहां पर भगवान शंकर के मंदिर मं आते हैं। फिर कुछ देर रहने के बाद रात को ही वापस लौट जाते हैं। लोगों का कहना है कि शिवरात्रि के दिन पहली बार भालुओं को यहां पर देखा गया था। इसके बाद से रोज इस मंदिर में भालू पहुंच रहे हैं।

समस्याओं का निराकरण हेतु सर्वे करने पहुंचा विभागीय अमला

सूरजपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की अगुवाई में विगत दिनों 3 मार्च 2022 को प्रशासनिक एवं पुलिस अमला द्वारा जिले के दूरस्थ क्षेत्र छतरंग में जनदर्शन सह जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में पानी समस्या, सड़क समस्या, पुल पुलिया, बिजली समस्या, मोबाइल नेटवर्क जैसे मांग एवं समस्याओं के आवेदन ग्रामीण जनों से प्राप्त हुए थे। कलेक्टर ने शिविर के दौरान संबंधित विभाग को समस्याओं का निराकरण करने सर्वे कर आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण करने के निर्देश दिए थे। उसी के परिपालन में संबंधित विभाग के द्वारा स्थल पहुंचकर संबंधित कार्यों का जायजा लिया गया तथा निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। ओड़गी ब्लॉक के अंतर्गत कैलाशपुर से पालकेवरा छतरंग तक के लिए सड़क ठीक नहीं होने के कारण लोगों को आवागमन के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की मांग पर कलेक्टर द्वारा छतरंग जनदर्शन सह जनसंवाद शिविर के दौरान संबंधित विभाग पीडब्ल्यूडी, पीएमजेएसवाई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया था।

चैट वायरल करने की धमकी देकर, महिला से ठगे 25 हज़ार

रायगढ़। फेसबुक में दोस्ती कर व्हाट्सएप चैट वायरल करने की धमकी देकर रुपये की उगाही करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़िता को ब्लैकमेलिंग कर 25 हजार रुपए ऐंठे। पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी को पकड़ लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। रायगढ़ निवासी पीड़िता की शादी रायपुर के लड़के से हुई थी, तब से वो अपने ससुराल में रह रही थी। 17 अप्रैल 2020 को उसके पास उसके कॉलेज में पढ़ने वाले अनुराग भारती का फ्रेंड रिक्वेस्ट आया था। रिक्वेस्ट को उसने एक्सेप्ट कर लिया था। इसके बाद से ही दोनों की बातचीत चलती रही। इसके बाद महिला का व्हाट्सएप नंबर मांग कर उसे अश्लील मैसेज भेजने लगा और शादी करने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता के द्वारा जब मना किया तो आरोपी मैसेज और चैट के स्क्रीन शॉट को पति को भेजने की धमकी देने लगा। साथ ही रुपये की मांग करने लगा। पीड़िता ने बदनामी के डर से आरोपी अनुराग भारती को 25 हजार दिए। महिला जब अपने मां के इलाज के लिए रायगढ़ आई तो आरोपी ने पीड़िता के पति को वो अश्लील मैसेज के स्क्रीन शॉट, व्हाट्सएप चैट और फ़ोटो भेज दिए। इस वजह से महिला का पति उसे छोड़ दिया था। इस बात से आहत पीड़िता ने इसकी शिकायत रायगढ़ कोतवाली थाने में दर्ज कराई।पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी अनुराग को बिलासपुर बृहस्पति बाजार से गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली थाने में इस मामले में 354, 384,509 आईपीसी के तहत अपराध दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान को मिली बड़ी सफलता, कुपोषण की दर राष्ट्रीय औसत से भी कम

प्रदेश में एक लाख 70 हजार बच्चे हुए कुपोषण मुक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान को बड़ी सफलता मिल रही है। प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2016 से 2022 तक आयोजित वजन त्यौहार के आंकड़ों के अनुसार कुपोषण की दर में लगातार कमी आई है। इसके चलते बच्चों कुपोषण की दर 30.13 प्रतिशत से घटकर अब मात्र 19.86 प्रतिशत रह गई है। राज्य में कुपोषण दर में लगभग 10.27 प्रतिशत की कमी एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ में 2 अक्टूबर 2019 से शुरू हुए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के चलते एक लाख 70 हजार बच्चे कुपोषण मुक्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वजन त्यौहार के द्वारा अवधि विशेष में सभी बच्चों का वजन लिया जाकर पोषण स्तर ज्ञात किया जाता है। विभाग द्वारा जुलाई 2021 में लगभग 22 लाख बच्चों का 10 दिन के भीतर वजन लिया गया और कुपोषण के परिणाम निकाले गये। राज्य शासन द्वारा वजन त्यौहार के आंकड़ों का सत्यापन बाह्य एजेंसियों द्वारा भी कराए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। राष्ट्रीय सर्वे एजेंसी नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के आंकड़ों के अनुसार भी छत्तीसगढ़ में कुपोषण की दर में कमी आई है। कुपोषण का राष्ट्रीय औसत 32.1 प्रतिशत् है, जबकि छत्तीसगढ़ में कुपोषण 31.3 प्रतिशत् है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ में कुपोषण राष्ट्रीय औसत से भी कम है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय सर्वे एजेंसी नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 वर्ष 2015-16 के अनुसार छत्तीसगढ़ में कुपोषण की दर 37.7 प्रतिशत थी, जबकि उस समय राष्ट्रीय औसत दर 35.8 प्रतिशत थी। एनएफएचएस-5 के सर्वे रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ राज्य में कुपोषण की दर में 6.4 प्रतिशत गिरावट आई है और यह दर मात्र 31.3 रह गई है।

राष्ट्रीय सर्वे एजेंसी नेशनल फैमिली हेल्थ के रिपोर्ट से यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि छत्तीसगढ़ राज्य में बच्चों के पोषण स्तर पर ध्यान देने के बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिसके चलते राज्य में कुपोषण दर 30.13 प्रतिशत से घटकर अब मात्र 19.86 प्रतिशत रह गई है। ज्ञातव्य है कि एनएफएचएस-5 के अनुसार छत्तीसगढ़ में बच्चों में कुपोषण का स्तर गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक, झारखण्ड, बिहार आदि राज्यों से कम है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

संपादकीय

कैसे बचे विश्व

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज के इस छठे आकलन का पहला हिस्सा पिछले साल अगस्त में जारी हुआ था। अब आईपीसीसी दूसरी रिपोर्ट ने पर्यावरण संबंधी उन चिंताओं को और ज्यादा स्पष्टता और सटीकता से चिह्नित किया है, जो पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ती जा रही हैं।

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के छठे आकलन की दूसरी रिपोर्ट ने पर्यावरण संबंधी उन चिंताओं को और ज्यादा स्पष्टता और सटीकता से चिह्नित किया है, जो पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को जारी हुए इस दूसरे हिस्से में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के साथ ही अनुकूलन से जुड़े पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। आईपीसीसी के इस छठे आकलन का पहला हिस्सा पिछले साल अगस्त में जारी हुआ था। इसका तीसरा और अंतिम हिस्सा अगले महीने यानी अप्रैल में जारी होना है। पहले हिस्से में जलवायु परिवर्तन के वैज्ञानिक आधारों की पड़ताल की गई थी तो तीसरे हिस्से में उत्सर्जन में कमी की संभावनाएं टटोली जाएंगी। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि क्लाइमेट चेंज से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर समग्रता से विचार करके विस्तृत रिपोर्ट जारी करने का यह सिलसिला 1990 से शुरू हुआ। 1995, 2001, 2007 और 2015 में क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें आकलन के बाद यह छठा आकलन सामने आया है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि हर रिपोर्ट बार-बार उन्हीं खतरों का जिक्र करती रही है, जिनका कोई हल सामने आता नहीं दिख रहा। उलटे, हर रिपोर्ट के साथ वे खतरे और ज्यादा बढ़े हुए नजर आते हैं।

यह बात एक हद तक सही भी है और किसी न किसी रूप में इस ख्याल के लिए गुंजाइश बनाती है कि कहीं यह पूरी कवायद निरर्थक तो नहीं होती जा रही। मगर नहीं। क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग की विशाल चुनौतियों के सामने हमारे प्रयास भले ही नाकाफी साबित हुए हों, इसमें दो राय नहीं हो सकती कि अगर दुनिया इन चुनौतियों को लेकर एक तरह की सर्वसम्मति तक पहुंच सकी है और पेरिस एग्रीमेंट जैसा समझौता संभव हुआ है तो उसके पीछे आईपीसीसी के इन आकलनों की निर्णायक भूमिका रही है। और यही आकलन अब हमें बता रहे हैं कि पूर्व औद्योगिक युग के मुकाबले तापमान में इजाफे को 2 फीसदी तक सीमित करने का लक्ष्य अब निरर्थक सा हो चुका है। इसे 1.5 तक सीमित रखने का लक्ष्य ही रखना होगा। यह भी कि इस कठिन लक्ष्य को साधने की कोशिश काफी नहीं। इसे साध लें, तब भी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग के दुष्प्रभाव थोड़ा कम भले हो जाएं, पूरी तरह समाप्त नहीं होंगे। इसलिए हमें अनुकूलन से जुड़े पहलुओं पर विशेष ध्यान देते हुए कृषि और उद्योग संबंधी नीतियों में उन बदलावों पर काम करना चाहिए, जो इन्हें उन दुष्प्रभावों से उपजी स्थितियों के अनुरूप ढाल सकें। अगर अब भी हमने ढीला-ढाला रवैया जारी रखा तो समुद्र के जलस्तर में इजाफा, भीषण गर्मी और लू के थपेड़े तथा बेमौसम बारिश जैसी आपदाएं हमारा जीना मुश्किल कर देंगी।

यूक्रेन पर रूस का हमला और नाटो की भूमिका के मायने

बातों बातों में मैंने इस बयान का जिक्र जब लाइब्रेरी में कैथरीन (ब्रांच मैनेजर शॉर्पशायर लाइब्रेरी) से कॉफी के दौरान किया तो उनकी प्रतिक्रिया सधी थी। कैथरीन ने कहा कि उन्हें अपने प्रधानमंत्री पर पूरा भरोसा है और वो सही समय पर सही कदम उठाएंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि नाटो इस मामले को इतने हल्के में नहीं लेगा, क्यूंकि न सिर्फ ये यूरोप में युद्ध का माहौल बनाएगा बल्कि इससे आमलोग भी महंगाई के चपेट में आएंगे। इसलिए मुझे तो विश्वास है कि जल्द ही रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। ये उस ब्रिटेन के एक आम नागरिक का बयान है जिस देश को पूरी दुनिया साम्राज्यवाद फैलाने का पुरोधा मानती है। कुछ ही देर बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि रूस की हरकत किसी भी संप्रभु राष्ट्र की आजादी छीनने की है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रूस के हमले के तुरंत बाद जॉनसन ने पुतिन के कदम को यूरोप को तबाह करने वाला बताया था और बाद में यहां तक कहा कि रूस के इस घृणित और बर्बर हमले को ब्रिटेन यूं हीं नहीं देखेगा।

(अनुरंजन झा)

यूक्रेन पर रूस के हमले के 8 घंटे के बाद नाटो (नार्थ एटलांटिक ट्रीटी आर्गनाइजेशन) एक्टिव हुआ है। गुरुवार की सुबह जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो सबसे अहम सवाल यही था कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अब ब्रिटेन, दूसरे यूरोपीय देश या नाटो क्या करेगा ? रूस और यूक्रेन विवाद के पीछे की वजह जो रूस बताता रहा है वो है यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की मंशा और उसकी स्वीकृति। इधर नाटो देश भी चाहते रहे हैं कि यूक्रेन भी उनका सदस्य बने लेकिन अभी ये आधिकारिक तौर पर नहीं हो पाया है। पुतिन ने पिछले दिनों साफ साफ कहा था कि अगर यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं बनता है तो उनकी कोई मंशा यूक्रेन से युद्ध की नहीं है। लेकिन यूक्रेन ने इसे खारिज कर दिया और देखते देखते रूस ने यूक्रेन पर हमला कर ही दिया।

पिछले कई दिनों से पूरी दुनिया की निगाहें इस पर टिकी हुई थीं। ब्रिटेन ने सबसे पहले रूस को हमला नहीं करने के लिए आगाह किया था और बाद में उसकी मंशा भांपते हुए कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध भी लगा दिए। रूस के पांच बड़े बैंक ब्रिटेन में बंद कर दिए गए और साथ ही कई रशियन अरबतियों को न सिर्फ व्यापार के लिए रोका गया, बल्कि उनकी संपत्ति फिलहाल के लिए सीज कर दी गई। ब्रिटेन के साथ साथ अमेरिका ने भी प्रतिबंध की घोषणा की और जर्मनी ने रूस के साथ कुछ करार रोक दिए। लेकिन इन सबकी परवाह किए बिना व्लादिमीर पुतिन ने अपनी साम्राज्यवादी इच्छाओं को आगे रखा और यूक्रेन पर तीन तरफ से हमले कर दिए।

इस हमले से ठीक पहले यूक्रेन के 44 साल के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने देश में आपातकाल की घोषणा कर मार्शल लॉ लगा दिया था और साथ ही ये भी कहा था कि वो किसी भी कीमत पर रूस के आगे नहीं झुकेंगे। अभी तक सैकड़ों सैनिकों और आम लोगों के मारे जाने की अलग अलग खबरें आ रही हैं। रूस ने युद्ध की शुरूआत कर दी है अब आगे क्या ? क्या अब भी सिर्फ धमकियों से रूस मानेगा, क्या अमेरिका-ब्रिटेन और दूसरे नाटो सदस्य देश रूस का प्रतिकार करेंगे या सिर्फ बयान और निंदा का दौर चलेगा ?

ये सवाल आज सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि यूक्रेन अगर आज इस मुसीबत में है तो उसकी वजह यूरोपीय देशों से उसकी नजदीकियां और नाटो में शामिल होने की मंशा और उसकी स्वीकृति। यहां इंग्लैंड में अतंरराष्ट्रीय घटनाओं पर आम जनता जल्दी प्रतिक्रिया नहीं देती है लेकिन जो भी प्रतिक्रिया होती है, वो बहुत ठोस और तथ्यों से पूर्ण होती है।

यूक्रेन पर हमले के कुछ घंटे के बाद मैं यहां इंग्लैंड में कुछ कागजों की पड़ताल में पब्लिक लाइब्रेरी में था। उस वक्त नाटो के मिलिट्री चीफ का बयान आया था कि यूक्रेन हमारे संगठन का सदस्य नहीं है। लिहाजा, हम उसकी सीधी सैन्य मदद नहीं कर सकते। लेकिन, इसके अलावा कई रास्ते हैं और यूक्रेन को इनके जरिए सहायता पहुंचाई जा रही है।

बातों बातों में मैंने इस बयान का जिक्र जब लाइब्रेरी में कैथरीन (ब्रांच मैनेजर शॉर्पशायर लाइब्रेरी) से कॉफी के दौरान किया तो उनकी प्रतिक्रिया सधी थी। कैथरीन ने कहा कि उन्हें अपने प्रधानमंत्री पर पूरा भरोसा है और वो सही समय पर सही कदम उठाएंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि नाटो इस मामले को इतने हल्के में नहीं लेगा, क्यूंकि न सिर्फ ये यूरोप में युद्ध का माहौल बनाएगा बल्कि इससे आमलोग भी महंगाई के चपेट में आएंगे। इसलिए मुझे तो विश्वास है कि जल्द ही रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। ये उस ब्रिटेन के एक आम नागरिक का बयान है जिस देश को पूरी दुनिया साम्राज्यवाद फैलाने का पुरोधा मानती है।

कुछ ही देर बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि रूस की हरकत किसी भी संप्रभु राष्ट्र की आजादी छीनने की है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रूस के हमले के तुरंत बाद जॉनसन ने पुतिन के कदम को यूरोप को तबाह करने वाला बताया था और बाद में यहां तक कहा कि रूस के इस घृणित और बर्बर हमले को ब्रिटेन यूं हीं नहीं देखेगा। बोरिस जॉनसन ने कहा कि यूक्रेन कोई बहुत पुराना देश नहीं है लेकिन लेकिन पिछले कई दशकों से स्वतंत्रता और लोकतंत्र का आनंद लिया है और उसे अपनी नियति चुनने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन और दुनिया उस स्वतंत्रता को बस छीनने की अनुमति नहीं दे सकते। हमारा मिशन स्पष्ट है- राजनयिक, राजनीतिक, आर्थिक और अंततः सैन्य रूप से, व्लादिमीर पुतिन के इस घृणित और बर्बर कदम को समाप्त करने का प्रयास होगा। यूक्रेन के लोगों को सीधे संबोधित करते हुए जॉनसन ने कहा- पीड़ा की इस घड़ी में, हम आपके साथ हैं, हम आपके और आपके परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और हम आपके पक्ष में हैं। साथ ही बोरिस जॉनसन ने कहा कि अगर आने वाले महीने गंभीर और यूक्रेन की आजादी को नुकसान पहुंचाने वाले भी हुए तब भी उनका दृढ़ विश्वास है कि यह यूक्रेन में फिर से चमक उठेगी। मुझे विश्वास है कि रूसी तानाशाह कभी भी यूक्रेनियन की राष्ट्रीय भावना और उनके देश को स्वतंत्र होने के उनके विश्वास को कम कर पाएगा ।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद नाटो की आपातकाल मीटिंग बुलाई गई और नाटो ने कहा कि रूस हिंसा और युद्ध के रास्ते से पीछे हट जाए वरना रूस को बहुत भारी आर्थिक और राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। नाटो ने कहा कि हमने रूस को बातचीत के लिए आमंत्रित किया लेकिन रूस ने जंग का रास्ता चुना है, अभी भी वक्त है। हम पूर्वी हिस्से में मिलिट्री और वायुसेना बढ़ा रहे हैं। किसी भी परिस्थिति का जवाब देने के लिए सुरक्षा बलों को तैयार रहने को कहा गया है। साथ ही नाटो ने कहा कि रूस ने यूएन चार्टर, हेलसिंकी एक्ट और पेरिस चार्टर जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया है। ऐसी परिस्थिति में हम पूरी तरह यूक्रेन के साथ हैं। तेजी से बदलते घटनाक्रम में 10 डाउनिंग स्ट्रीट से एक और बयान जारी किया गया, जिसमें कहा गया है कि ब्रिटेन रूस पर कुछ और आर्थिक पाबंदी लगाने की तैयारी में है जिसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी।

यूक्रेन का एयरस्पेस बंद होने से भारत समेत कई देशों के छात्र और कामगार वहां फंस गए हैं। बीच बीच में रूस और यूक्रेन दोनों एक-दूसरे देशों के सैनिको के मारे जाने के आंकड़े जारी कर रहे हैं। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत लगभग सभी बड़े शहरों में हमले किए हैं। कीव में यूक्रेन का एक फाइटर जेट क्रैश भी हुआ है। यूक्रेन के जेलेंस्की ने टीवी पर आकर कहा है कि हम युद्ध में जा चुके हैं और किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे साथ ही ये भी कहा कि जो भी रिपोर्ट हमारी एजेंसियां जारी करें उसे ही सही माना जाए क्यूंकि दुश्मन देश अलग आंकड़े बताकर हमें डराना चाहेंगे

रूस के हमले से पहले भी जेलेंस्की ने एक वीडियो जारी किया था और रूस की आम जनता से अपील की थी कि देर होने से पहले लड़ाई को रोकने में अपनी भूमिका निभाएं। कुल मिलाकर रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुआ युद्ध भले ही किसी विश्वयुद्ध की आहट न हो लेकिन अतंराष्ट्रीय स्तर पर बड़े उलट-फेर की आशंका से तो कतई इंकार नहीं किया जा सकता है और आने वाले दिनों में निश्चित तौर पर यूरोपीय देशों के साथ नाटो की गतिविधियों पर इसका भविष्य टिका होगा।

बेढब शहरों की बड़ी भारी कीमत

(मंजू मोहन, पूर्व प्रमुख, सेंटर फॉर एट्मस्फेरिक साइंस, आईआईटी)

सोमवार को जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) ने अपनी छठी मूल्यांकन रिपोर्ट के दूसरे भाग को जारी करते हुए यह चेतावनी दी कि यदि कार्बन उत्सर्जन को जल्द नियंत्रित नहीं किया गया, तो वैश्विक स्तर पर गरमी और आर्द्रता असहनीय हालात पैदा करेंगे, और यह स्थिति भारत जैसे देशों को कहीं ज्यादा प्रभावित करेगी। पहली बार आईपीसीसी की समिति ने अलग-अलग प्रांतों की समीक्षा की है, लेकिन दुर्भाग्य से यह रिपोर्ट उतनी चर्चा नहीं बटोर सकी, जितनी दरकार थी। अभी तमाम देशों की नजर रूस और यूक्रेन की जंग पर है, जबकि युद्ध प्रदूषण का एक बड़ा कारक है। रणभूमि में जितने भी गोला-बारूद या हथियार आदि इस्तेमाल किए जाते हैं, वे काफी मात्रा में प्रदूषण और एरोसॉल (महीन ठोस और तरल कणों की गैस के रूप में मौजूदगी) पैदा करते हैं। सुपरसोनिक और जंगी विमानों की गिनती भी बड़े प्रदूषकों में होती है। इतना ही नहीं, जलवायु मुद्दों पर लगने वाली पूंजी भी युद्ध की तरफ मोड़ दी जाती है, जिससे पर्यावरणीय मसले अनछुए रह जाते हैं।

लिहाजा, यह कहना उचित होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले मुद्दों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का मौका हम गंवा रहे हैं। अभी हमें एक-दूसरे से उलझने के बजाय एकजुटता दिखानी चाहिए और साझा मुद्दों पर लड़ना चाहिए। ऐसा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि पर्यावरण को हमने हद से अधिक बर्बाद कर दिया है। हालिया वर्षों में चक्रवाती तूफान, मानसून आदि की आवृत्ति बढ़ गई है और चरम मौसमी परिघटनाएं भी लगातार घट रही हैं। समुद्र का तापमान इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है कि तटीय इलाकों के लिए काफी विषम परिस्थितियां पैदा हो रही हैं।

आईपीसीसी की नई रिपोर्ट में शहरीकरण को लेकर महत्वपूर्ण बातें कही गई हैं। बताया गया है कि शहर और शहरी केंद्र वैश्विक तापमान को बढ़ाने में लगातार योगदान दे रहे हैं। अनियोजित शहरीकरण पर्यावरण पर नकारात्मक असर डालता है। आंकड़े भी तस्दीक कर रहे हैंकि शहर न सिर्फ अपने तापमान को वैश्विक गरमी के लिहाज से अनुकूल बना रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तापमान को प्रभावित कर रहे हैं। रिपोर्ट की मानें, तो अनियोजित शहरीकरण ने न सिर्फ गरमी, बल्कि एरोसॉल बढ़ाने का भी काम किया है। इनसे मौसम एवं जलवायु लगातार प्रभावित हो रहे हैं। शहरों में ऊंची-ऊंची इमारतें बन गई हैं, जिनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां 'री-रेडीएट' (विकिरण को अवशोषित करने के बाद फिर से विकिरण करना) करती हैं। नतीजतन, रात का न्यूनतम तापमान बढ़ चला है। यह वृद्धि उन उपकरणों से भी हो रही है, जो सुविधा के नाम पर शहरों में दिन-रात इस्तेमाल किए जा रहे हैं या फिर हर वक्त सड़कों पर दौड़ने वाली गाड़ियों के कारण।

एक हालिया अध्ययन बताता है कि शहरीकरण के कारण बढ़ने वाला तापमान तूफान और गरज के साथ बिजली जैसी मौसमी परिघटनाओं की बारंबारता बढ़ा रहा है। बारिश पर भी इसका असर पड़ता है। हमने देखा भी है कि इन दिनों न सिर्फ तेज बारिश आने की आवृत्ति बढ़ी है, बल्कि चरम मौसमी घटनाओं में भी तेजी आई है। आईपीसीसी की रिपोर्ट बताती है कि मध्यम श्रेणी वाली बारिश के बरसने की दर कम हुई है, जबकि तेज बारिश की दर बढ़ी है। बढ़ती वैश्विक गरमी ने मानसून को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

यह रिपोर्ट भारत को लेकर बहुत अच्छी तस्वीर नहीं दिखा रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि वादे के मुताबिक अगर उत्सर्जन कम कर लिया गया, तब भी उत्तरी और तटीय भारत के कई इलाकों में इस शताब्दी के अंत तक 'वेट-बल्ब' तापमान (गरमी और आर्द्रता को एक साथ मापने वाला मापक) 31 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहेगा। हालांकि, नीतिगत मोर्चे पर हमारी सरकार ने काफी अच्छा काम किया है। हमने आबोहवा सुधारने को लेकर अच्छी कार्ययोजना बनाई है और उस पर हम संजीदगी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के लिहाज से अब 2030 के उस लक्ष्य की ओर हम बढ़ गए हैं, जिसकी राह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिखाई है। हमें अब अक्षय ऊर्जा (फिर चाहे वह सौर हो या पवन ऊर्जा) पर अधिक से अधिक निर्भरता और कोयले के इस्तेमाल को अधिक से अधिक हतोत्साहित करने की दिशा में काम करना चाहिए। इतना ही नहीं, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की तरफ भी हमें काफी अधिक गंभीरता दिखानी होगी। हरित पट्टियों पर जोर देना होगा और शहरों में जंगली क्षेत्र का विस्तार करना भी बहुत जरूरी है। हां, पराली जलाना या प्लास्टिक आदि का कचरा भी हमारी आबोहवा के लिए एक बड़ा खतरा है, जिनके खिलाफ कमर कसने की आवश्यकता है।

मगर दिक्कत यह है कि ये तमाम नीतियां कागजों पर जितनी मजबूत है, जमीन पर उतनी नहीं दिखतीं। जाहिर है, जनता के स्तर पर काफी काम किए जाने की जरूरत है। तंत्र को इस दिशा में सक्रिय होना पड़ेगा और आम लोगों को लगातार जागरूक करना होगा।

अनियोजित शहरीकरण के उपाय जल्द से जल्द तलाशने भी जरूरी हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि हमें शहरीकरण से ही तौबा कर लेना चाहिए, लेकिन बीच का रास्ता जरूर निकालना चाहिए। अच्छी बात है कि हाल के वर्षों में वैकल्पिक रास्ते की खोज बढ़ चली है और शहरों की सड़कों पर इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी अब दिखने लगी हैं। हमें यह समझना ही होगा कि हरेक शहर के विस्तार की एक सीमा होती है। चंद शहरों पर क्षमता से अधिक भार डालने का एक नतीजा वायु प्रदूषण के रूप में हम झेल रहे हैं। अध्ययन यही बताते हैं कि हर शहर यह जानता है कि वह किस हद तक प्रदूषण को खुद में समेट सकता है, लेकिन हम उसे अनसुनी कर देते हैं। लिहाजा, बदलती जीवनशैली के हिसाब से शहरीकरण और उसके विस्तार का खाका खींचने की जरूरत है। हमें इसके लिए मापदंड बनाने होंगे।

क्या कहता है प्रो कबड्डी लीग का आठवां सीजन

(संजय बैनर्जी)

कोरोना और तमाम दुश्वारियों के बावजूद प्रो कबड्डी लीग का आठवां सीजन संपन्न हो चुका है। इस सीजन में दबंग दिल्ली पहली बार चैंपियन बनी। पिछले लगातार तीन सीजन से दिल्ली प्ले ऑफ में पहुंच रही थी और लगातार दो बार उसने फाइनल में भी जगह बनाई थी। फिर भी, वह टीम जो पहले पांच सीजन में कभी भी प्लेऑफ में न पहुंची हो, उसके लिए यह प्रगति हौसला बढ़ाने वाली है। टीम के कोच किशन कुमार हुडा का भी इस दिशा में काफी योगदान है।

हाल ही में द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित हुडा ने टीम को चुनने से लेकर बुनने तक बेहतर पूर्वानुमान लगाया। नवीन कुमार रेडिंग में टीम की ताकत हैं, लेकिन चोट की वजह से सात मैचों में उपलब्ध नहीं थे। इसके बावजूद टीम के प्रदर्शन पर कोई खास असर नहीं देखा गया। टीम का डिफेंस सबसे ज्यादा तजुर्बा लिए हुए था। मंजीत छिल्लर, जीवा कुमार, जोगिंदर नरवाल और संदीप नरवाल तकरीबन लीग की शुरुआत से ही जुड़े हुए हैं। इन सबके मैच मिला दें तो यह 500 मैचों के आस-पास का तजुर्बा था। मगर पहले दौर में दिल्ली टीम का डिफेंस बिल्कुल ही फिसड्डी दिखा। दबंग दिल्ली ने फाइनल में तीन बार की चैंपियन पटना पायरेट्स को सिर्फ एक पॉइंट के फासले से हराया। पूरे सीजन लगातार अपना वर्चस्व साबित करने वाली पटना की टीम ने लीग में सबसे ज्यादा 16 मैच जीते थे। इस टीम को इसके डिफेंस के लिए खास तौर पर जाना जाता था। हैरत यह कि फाइनल में पायरेट्स का डिफेंस बचता दिखा और उसे सिर्फ चार टैकल पॉइंट्स मिले। शायद यही हार-जीत का फासला भी बना। बेहतर रणनीतिकार माने जाने वाले कोच राममेहर सिंह के कुछ फैसले भी गलत पड़ गए, जिसका खामियाजा चुकाना पड़ा।

सीजन आठ में संघर्ष का आलम यह था कि कुल 19 मैच टाई खेले गए। यानी टीमों ने जीत की खातिर खतरा मोल लेने के बजाय टाई करना बेहतर समझा, ताकि कम से कम तीन पॉइंट्स मिल सकें। यह परिपक्व होती लीग की निशानी है। डिफेंडिंग चैंपियन बंगाल वॉरियर्स प्ले ऑफ की दौड़ भी पूरी न कर सके। पिता-पुत्र की जोड़ी के एक साथ एक ही टीम में, एक ही पोजिशन से खेलने का दिलचस्प मामला भी इसी सीजन देखने को मिला। दिल्ली के कप्तान जोगिंदर नरवाल और उनका बेटा विनय- दोनों दिल्ली के लिए लेफ्ट कॉर्नर में ही खेलते हैं।

यूरोपीय देशों ने साफ कर दिया है कि हथियार ले लो लेकिन लड़ने नहीं आएंगे। अमेरिका ने प्रतिबंध लगाकर अपनी जान छुड़ा ली है। और कुल मिलाकर वही हो रहा है जो अमेरिका चाहता था। यूक्रेन नाटो का हिस्सा बनता तब भी अमेरिका को फायदा था और इस कवायद में रूस को यूक्रेन पर हमला करना पड़ा, तो भी अमेरिका को ही फायदा है। इससे हुआ ये कि रूस एक बार एग्रीसोर के तौर पर सामने आया है। उससे घबराए यूरोपीय देश अमेरिका से हथियार खरीद रहे हैं। उसकी हथियार लॉबी जो अमेरिका के अफगानिस्तान से निकल आने पर मंदी से गुज़ार रही थी वो फिर से गुलज़ार हो गई है।

यूक्रेन की बर्बादी की इस कहानी में विलेन कोई और है!

(नीरज बधवार)

रूस यूक्रेन युद्ध को आज एक हफ्ता हो गया। हर दिन लड़ाई भीषण होती जा रही है। पूरी दुनिया की हमदर्दी यूक्रेन के साथ है। अमेरिका और यूरोप ने रूस पर कई प्रतिबंध भी लगा दिए हैं। दुनिया की तरह भारत में भी एक बड़ा वर्ग रूस को विलेन के रूप में देख रहा है। मगर मुझे ये पूरा विवाद यूक्रेनी राष्ट्रपति की नासमझी और अमेरिका की बदमाशी ज़्यादा लगता है।

पहले बात यूक्रेन की नासमझी की कर लेते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति को अच्छे से पता था कि रूस को क़तई मंजूर नहीं है कि यूक्रेन नाटो का हिस्सा बने। रूस को लगता था कि यूक्रेन के नाटो का पार्ट बनने पर नाटो सेनाओं की पहुंच रूस तक हो जाएगी। इससे उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को ख़तरा होगा। अमेरिका जैसा उसका दुश्मन देश उसकी सीमा के बहुत करीब आ जाएगा। ये चिंताए बिल्कुल वैसी ही हैं जैसे पीओके में किसी निर्माण कार्य के बहाने चीनी सैनिकों की मौजूदगी पर भारत की होती है। जैसे श्रीलंका या बांग्लादेश के तट पर चीन के अपना ठिकाना बनाने पर भारत की रही हैं। दुनिया में कोई भी देश नहीं चाहता कि उसका दुश्मन राष्ट्र किसी भी बहाने उसकी सीमाओं के करीब आ जाए। वो देश तो कतई नहीं जो 30 साल पहले आपके 15 टुकड़े कर चुका हो !

अब सवाल पूछा जा सकता है कि रक्षा चिताएं क्या सिर्फ रूस की हैं, यूक्रेन की नहीं है? यही रूस अगर क्रीमिया पर कब्ज़ा कर सकता है, जॉर्जिया में घुस सकता है तो यूक्रेन में एंट्री क्यों नहीं कर सकता? और यही चिंता यूक्रेनी सरकार की भी थी इसीलिए वो नाटो को हिस्सा बनकर खुद को रूस के हमले से सुरक्षित कर लेना चाहता था।

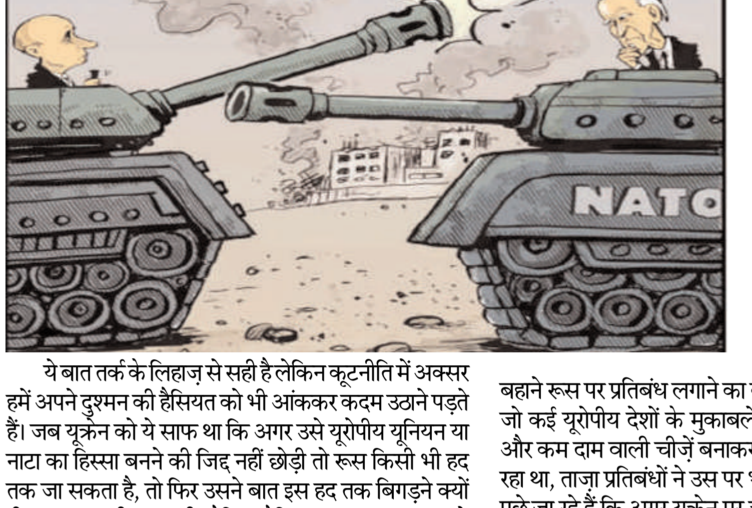

ये बात तर्क के लिहाज़ से सही है लेकिन कूटनीति में अक्सर हमें अपने दुश्मन की हैसियत को भी आंककर कदम उठाने पड़ते हैं। जब यूक्रेन को ये साफ था कि अगर उसे यूरोपीय यूनियन या नाटा का हिस्सा बनने की जिद् नहीं छोड़ी तो रूस किसी भी हद तक जा सकता है, तो फिर उसने बात इस हद तक बिगड़ने क्यों दीज्अगर उसकी खुद की सैनिक हैसियत या ताकत रूस से मुकाबला करने की होती, तब ये ज़िद् या स्टेंड समझा जा सकता था लेकिन इस उम्मीद में ये कदम उठा लेना कि जंग हुई तो यूरोप और अमेरिका हमारे साथ आ जाएंगे, सरासर बेवकूफी भरा आंकलन था और आज ये साबित भी हो रहा है।

यूरोपीय देशों ने साफ कर दिया है कि हथियार ले लो लेकिन लड़ने नहीं आएंगे। अमेरिका ने प्रतिबंध लगाकर अपनी जान छुड़ा ली है। और कुल मिलाकर वही हो रहा है जो अमेरिका चाहता था। यूक्रेन नाटो का हिस्सा बनता तब भी अमेरिका को फायदा था और इस कवायद में रूस को यूक्रेन पर हमला करना पड़ा, तो भी अमेरिका को ही फायदा है। इससे हुआ ये कि रूस एक बार एग्रीसोर के तौर पर सामने आया है। उससे घबराए यूरोपीय देश अमेरिका से हथियार खरीद रहे हैं। उसकी हथियार लॉबी जो अमेरिका के अफगानिस्तान से निकल आने पर मंदी से गुज़ार रही थी वो फिर से गुलज़ार हो गई है। अमेरिका को यूएन के बहाने रूस पर प्रतिबंध लगाने का बहाना मिल गया है और रूस जो कई यूरोपीय देशों के मुकाबले बहुत सारी बेहतर गुणवत्ता और कम दाम वाली चीज़ें बनाकर यूरोप में आर्थिक शक्ति बन रहा था, ताज़ा प्रतिबंधों ने उस पर भी लगाम लगा दी है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि अगर यूक्रेन पर चढ़ाई करने के लिए रूस पर इतने प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं तो इराक और अफगानिस्तान में बीस साल तक जबरन बने रहने पर अमेरिका को क्या सज़ा दी गई? और सजा देता भी कौन? जो यूएन सबसे ज़्यादा (27 फीसदी) आर्थिक मदद ही अमेरिका से लेता है उसकी क्या औकात की वो अमेरिका पर ही कोई एक्शन ले ले और यही आज यूएन के मूल ढांचे की सबसे बड़ी त्रासदी है। हैरानी ये है कि इतना सब कुछ होने के बावजूद यूक्रेनी राष्ट्रपति को अपने देश की सलामती से ज्यादा नाटो में शामिल होने की अपनी ज़िद् ज़्यादा प्यारी है। यूरोप का कोई बड़ा देश शांति की बात करने के बजाए रूस को गाली देने और यूक्रेन को ही उकसाने में लगा है।

मुझे मशहूर अमेरिकी सिटकॉम 'ऑफिस' का 10-12 साल पुराना एक एपिसोड याद आता है जिसमें बॉस माइकल स्कॉट एक मैगज़ीन में ये पढ़कर परेशान हो जाता है कि चीन बड़ी तेज़ी से हर मामले में आगे बढ़ रहा है। ये सब पढ़कर वो बड़ा परेशान हो जाता है। इससे घबराकर वो ऑफिस में सभी को कहता है कि आप लोग भी ऐसे आइडियाज़ दीजिए जिससे अमेरिका की दुनिया में सुपर पावर की हैसियत बनी रहे। भले ही ये एक कॉमेडी सीरियल था मगर ये उस अमेरिका सोच को अच्छे से दर्शाता है कि जिसमें ये कूट कूटकर भरा गया है कि अमेरिका के अलावा पूरी दुनिया में और कोई सुपर पावर हो ही नहीं सकता।

शीत युद्ध के बाद यूएसएसआर को तोड़ने में अमेरिका ने जो रोल निभाया वो सबके सामने हैं। तब उसे लगा कि उसने हमेशा के लिए अपना सबसे बड़ा दुश्मन ख़त्म कर दिया। मगर पुतिन ने जिस तरह पिछले 20 सालों में रूस को फिर से खड़ा किया उसने अमेरिका को फिर से बेचैन कर दिया है। आज यही बेचैनी उसकी चीन को लेकर भी है। और उसकी कूटनीति इतनी कारगर है कि हमेशा की तरह इस बार भी वो अपने घर में युद्ध नहीं लड़ रहा। सीधे तौर पर कहीं चर्चा में भी नहीं है। लेकिन सब कुछ वैसा ही हो रहा है जैसा वो चाहता था। एक भले देश का नासमझ राष्ट्रपति उसके हाथों की कठपुतली बनकर अपने देश को ख़त्म कर रहा है और कहानी में विलेन वही है जिसे वो हमेशा इस रोल में देखना चाहता था रूस! (प्रति हेक्टेयर पैदा हुए 2,445 रक्षा विशेषज्ञों में से एक) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

प्राचीन काल से अपने भविष्य को जानने की तीन प्रक्रियाएं चलती आ रही है, ज्योतिष शास्त्र, अंक ज्योतिष और हस्त शास्त्र। ऐसा कहा जाता है कि हाथों की लकीरें पढ़कर एक व्यक्ति को उसके भूतकाल, वर्तमान और भविष्य की जानकारी देने की कला को हस्त अध्यन और हस्त शास्त्र कहते है। ज्योतिष के अनुसार, इंसान की कुंडली या हस्तरेखा में उसके राज छुपे होते है।

हस्तरेखा में छुपे होते हैं भूतकाल, वर्तमान और भविष्य के राज

ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन में इन बातों का बखान किया गया है। जब भी हम अपनी हस्तरेखा या कुंडली दिखाते है तो सबसे ज्यादा जिज्ञासा इस बात की होती है कि हमारा भविष्य कैसा होगा और हमें कामयाबी मिलेगी या नहीं हस्तरेखा ज्योतिष में हथेली का अध्ययन करके इसका पता लगाया जा सकता है। आपकी हाथों की ये लकीरें क्या कहती है आइए जानते है। ज्योतिष के मुताबिक, 'दाहिना हाथ पुरुषों का पढ़ा जाता है, जबकि महिलाओं का बायां हाथ पढ़ा जाता है।' रेखा शास्त्र में विभिन रेखाओं को दर्शाया गया है जैसे जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा, विवाह रेखा, हृदय रेखा, सूर्य रेखा, भाग्य रेखा आदि आईए हस्त रेखाओं के बारे में जानते है।

सूर्य रेखा

सूर्य रेखा मध्यभाग में होती है और यह व्यक्ति के रचनात्मक होने की जानकारी देती है और साथ ही में आत्मविश्वास तथा योग्यता के बारे में बताती है।

जीवन रेखा

जीवन रेखा अंगूठे के नीचे वाले भाग में होती है, यह पहली ऊंगली (इंडेक्स फिंगर) और अंगूठे के मध्य से शुरू होकर मणिबंध तक जाती है। यह रेखा आपके जीवन के साथ साथ जिंदगी में होने वाली घटनाओं के रहस्य खोलती है। रेखा की लंबाई अच्छी सेहत और उसका छोटा होना शारीरक परेशानियों को दर्शाता है।

मस्तिष्क रेखा

यह रेखा जीवन रेखा के पास से शुरू होकर हथेली के दूसरी ओर जाती है। यह रेखा आपके ज्ञान और विज्ञान की जानकारी देती है, अगर यह रेखा लंबी है तो इसका मतलब है कि आप जीवन के निर्णय बहुत सोच समझ कर और समझदारी से लेते है परंतु अगर इसकी लंबाई छोटी है तो इसका अर्थ है कि आप किसी भी निर्णय या फैसले को आसानी से मान लेते हो।

भाग्य रेखा

इस रेखा का उदगम कलाई से, चंद्र पर्वत से, जीवन रेखा से, मस्तिष्क रेखा या ह्दय रेखा से होता है, यह हथेली के केंद्र में स्थित होती है। इस रेखा द्वारा शिक्षा और कैरियर, हमारी सफलता और विफलता से संबंधित निर्णय और उन निर्णय से होने वाले फल एवं इनमे आने वाली बाधाओं का पता चलता है।

ह्दय रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के नीचे वाले बहग से शुरू होकर पहली ऊंगली यानि की इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग की ओर जाती है। जिन जातकों की ह्दय रेखा गहरी होगी उनको प्रेम संबंधों में कामयाबी प्राप्त होगी। और जिनकी रेखा फीकी होगी उन्हें प्यार के मामले में भरोसा नहीं करना चाहिए।

विवाह रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के निचले हिस्से में जिसे बुध पर्वत कहते हैं वहां आड़ी होती हैं। यह कई जातकों के हाथों में एक तो कई के हाथों में एक से अधिक भी होती है। एक से अधिक विवाह रेखाओं के संदर्भ में वह रेखा मान्य होती है जो सबसे अधिक गहरी और स्पष्ट हो बाकि रेखा संबंधों के बिछडने या टूटने के संकेत देती है। अगर विवाह रेखा ऊपर की तरफ आती हुई ह्दय रेखा से मिले या फिर विवाह रेखा पर तिल हो या क्रॉस का निशान हो तो शादी में बहुत कठिनाइयां होती हैं।

जीवन में सफलता पाने में शुभ ऊर्जा और सकारात्मक सोच की खासी जरूरत होती है, जो कि हमें आसपास के माहौल और हमारे निवास से मिलती है। ऐसे में यदि नव निर्माण वास्तु सम्मत कराया जाए तो घर का हर कोना आपको सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है।

सकारात्मक ऊर्जा देता है वास्तु सम्मत घर निर्माण

जीवन में सफलता पाने में शुभ ऊर्जा और सकारात्मक सोच की खासी जरूरत होती है, जो कि हमें आसपास के माहौल और हमारे निवास से मिलती है। ऐसे में यदि नव निर्माण वास्तु सम्मत कराया जाए तो घर का हर कोना आपको सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। अपने घर को वास्तु के अनुसार कुछ यूं बनाया जा सकता है।

स्नानघर

स्नानघर, गुसलखाना, नैऋत्य (पशि्चम-दक्षिण) कोण और दक्षिण दिशा के मध्य या नैऋत्य कोण व पशि्चम दिशा के मध्य में होना सर्वोत्तम है। इसका पानी का बहाव उत्तर-पूर्व में रखे। गुसलखाने की उत्तरी या पूर्वी दीवार पर एग्जास्ट फैन लगाना बेहतर होता है। गीजर आग्नेय (दक्षिण-पूर्व) कोण में लगाना चाहिए क्योंकि इसका संबंध अग्नि से है। ईशान व नैऋत्य कोण में इसका स्थान कभी न बनवाएं।

शौचालय

शौचालय सदैव नैऋत्य कोण व दक्षिण दिशा के मध्य या नैऋत्य कोण व पशि्चम दिशा के मध्य बनाना चाहिए। शौचालय में शौच करते समय आपका मुख दक्षिण या पशि्चम दिशा की ओर होनी चाहिए। शौचालय की सीट इस प्रकार लगाएं कि उस पर बैठते समय आपका मुख दक्षिण या पशि्चम की ओर ही हो। प्रयास करें शौचालय एवं स्नानगृह अलग-अलग बनाएं। वैसे आधुनिक काल में दोनों को एक साथ संयुक्त रूप में बनाने का फैशन चल गया है। उत्तरी व पूर्वी दीवार के साथ शौचालय न बनाएं।

मुख्यद्वार

द्वार में प्रवेश करते समय द्वार से निकलती चुंबकीय तरंगें बुद्धि को प्रभावित करती हैं। इसलिए प्रयास करना चाहिए कि द्वार का मुंह उत्तर या पूर्व में ही हो। दक्षिण और पशि्चम में द्वार नहीं होना चाहिए।

सोपान या सीढ़ी

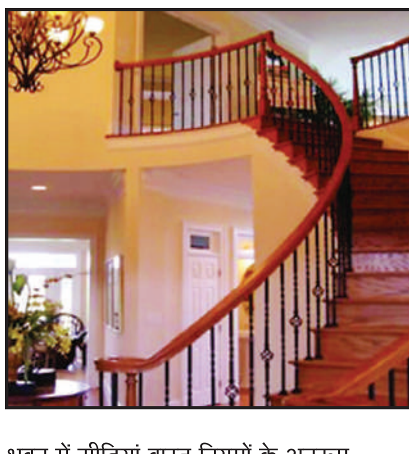

भवन में सीढ़ियां वास्तु नियमों के अनुरूप बनानी चाहिए। सीढ़ियों का द्वार पूर्व या दक्षिण दिशा में होना शुभफलप्रद होता है। सीढ़ियां भवन के पाश्र्व में दक्षिणी व पशि्चमी भाग में दाएं ओर हो, तो उत्तम है। यदि सीढ़ियां घुमावदार बनानी हो, तो उनका घुमाव सदैव पूर्व से दक्षिण, दक्षिण से पशि्चम, पशि्चम से उत्तर और उत्तर से पूर्व की ओर होना चाहिए। कहने का मतलब यह है कि चढ़ते समय सीढ़ियां हमेशा बाएं से दाएं ओर मुड़नी चाहिए। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या में बनानी चाहिए। सीढ़ियों की संख्या ऐसी हो कि उसे 3 से भाग दें तो 2 शेष रहे। जैसे 5, 11, 17, 23, 29 आदि की संख्या। सीढ़ियों के नीचे एवं ऊपर द्वार रखने चाहिए। यदि किसी पुराने घर में सीढ़ियां उत्तर-पूर्व दिशा में बनी हो, तो उसके दोष को समाप्त करने के लिए दक्षिण-पशचिम दिशा में एक कमरा बनाना चाहिए। वास्तु में सोपान का अहम रोल होता है।

आंगन

भवन का प्रारूप इस प्रकार बनाना चाहिए कि आंगन मध्य में हो या जगह कम हो तो भवन में खुला क्षेत्र इस प्रकार उत्तर या पूर्व की ओर रखें जिससे सूर्य का प्रकाश व ताप भवन में अधिकाधिक प्रवेश करें। ऐसा करने पर भवन में रहने वाले स्वस्थ व प्रसन्न रहते हैं। पुराने समय में बड़ी-बड़ी हवेलियों में विशाल चौक या आंगन को देखकर इसके महत्व का पता चलता है।

खिड़कियां

भवन में मुख्य गेट के सामने खिड़कियां ज्यादा प्रभावी होती हैं। कहते हैं इससे चुंबकीय चक्र पूर्ण होता है औरघर में सुख-शांति निवास करती है। पशि्चमी, पूर्वी और उत्तरी दीवारों पर भी खिड़कियों का निर्माण शुभ होता है। भवन में खिड़कियों का मुख्य लक्ष्य भवन में शुद्ध वायु के निरंतर प्रवाह के लिए होता है। यहां सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि भवन में कभी भी खिड़कियों की संख्या विषम न रखें। सम खिड़कियां शुभ होती हैं।

बालकनी

हवा, सूर्य प्रकाश और भवन के सौंदर्य के लिए आवासीय भवनों में बालकनी का खासा स्थान है। बालकनी भी एक प्रकार से भवन में खुले स्थान के रूप में मानी जाती है। बालकनी से सूरज कीक किरणें और प्राकृतिक हवा मिलती है। वास्तु सिद्धांतों के अनुसार बालकनी बनाई जा सकती है। यदि पूर्वोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी उत्तर-पूर्व में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। बालकनी उत्तर-पशि्चम में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। यदि उत्तरोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी उत्तर-पूर्व में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। यदि दक्षिणोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी दक्षिण-पूर्व में दक्षिण दिशा में बनाएं। बालकनी का स्थान भूखंड के मुख पर निर्भर है। लेकिन प्रयास यह होना चाहिए कि प्रातः कालीन सूर्य एवं प्राकृतिक हवा का प्रवेश भवन में होता रहे। ऐसा होने से मकान कई दोषों से मुक्त हो जाता है।

स्वागत कक्ष या बैठक

आज के दौर में भवन में स्वागतकक्ष का महत्व सबसे ज्यादा है। प्राचीनकाल में इसे बैठक के नाम से जाना जाता था। स्वागतकक्ष या बैठक में मसनद व तकिए या फर्नीचर दक्षिण और पशि्चम दिशाओं की ओर रखना चाहिए। स्वागतकक्ष या बैठक जहां तक संभव हो उत्तर और पूर्व की ओर खुली जगह अधिक रखनी चाहिए। स्वागतकक्ष भवन में वायव्य और ईशान और पूर्व दिशा के मध्य में बनाना चाहिए।

अध्ययन कक्ष

अध्ययन कक्ष हमेशा ईशान कोण में ही पूजागृह के साथ पूर्व दिशा में होना चाहिए। प्रकाश की ऊर्जा ही घर में सकारात्मकता लाती है, लिहाजा पूरब दिशा में स्टडी रूम काफी प्रभावी माना जाता है। वायव्य और पशि्चम दिशा के मध्य या वायव्य व उत्तर के मध्य बना सकते हैं। ईशान कोण पूजागृह के पास सर्वोत्तम है।

भोजनालय या भोजनकक्ष

भोजनकक्ष ड्राइंगरूम का ही एक भाग बन गया है या अलग भी बनाया जाता है। डायनिंग टेबल ड्राईंगरूम के दक्षिण-पूर्व में रखनी चाहिए अथवा भोजन कक्ष में भी दक्षिण-पूर्व में रखनी चाहिए।

मीटर बोर्ड, विद्युतकक्ष

अग्नि या विद्युत-शक्ति, मीटरबोर्ड, मेन स्विच, विद्युतकक्ष आदि भवन में दक्षिण-पूर्व (आग्नेय) दिशा में लगाने चाहिए। अग्नि कोण इसके लिए सदैव उत्तम रहता है।

गैराज

वाहन (कार, गाड़ी) खड़ा करने के लिए गैराज की आवश्यकता होती है। फ्लैट, बंगला या बड़े घर (जिसके पास जगह अधिक है) में गैराज दक्षिण-पूर्व या उत्तर-पशि्चम दिशा में बनाना चाहिए। यह बात ध्यान में रखें कि गैराज में उत्तर और पूर्व की दीवार पर वजन कम होना चाहिए। यदि भूखंड पूर्वोन्मुखी है, तो दक्षिण-पूर्व दिशा में पूर्व की ओर, यदि भूखंड उत्तरोन्मुख है, तो उत्तर-पशि्चम दिशा में उत्तर की ओर, यदि भूखंड पशि्चमोन्मुख है, तो दक्षिण-पशचिम दिशा में पशि्चम की ओर, यदि भूखंड दक्षिणोन्मुख हो, तो दक्षिण-पशचिम दिशा में पशि्चम की ओर गैराज बनाना चाहिए।

जल प्रवाह

भवन निर्माण में जल के प्रवाह का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। भवन का समस्त जल प्रवाह पूर्व, वायव्य, उत्तर और ईशान कोण में रखना शुभ होता है। भवन का जल ईशान (उत्तर-पूर्व) या वायव्य (उत्तर-पशि्चम) कोण से घर से बाहर निकालना चाहिए। वास्तु के अनुसार दिशाओं का जरूर ध्यान रखें। दिशाएं दशा बदलने का माद्दा रखती हैं।

पूजागृह पूजन

भजन, कीर्तन, अध्ययन-अध्यापन सदैव ईशान कोण में होना चाहिए। पूजा करते समय व्यक्ति का मुख पूर्व में होना चाहिए। ईश्वर की मूर्ति का मुख पशि्चम व दक्षिण की ओर होना चाहिए। ब्रह्मा, विष्णु, शिव, इंद्र, सूर्य, कार्तिकेय का मुख पूर्व या पशि्चम की ओर होना चाहिए। गणेश, कुबेर, दुर्गा, भैरव, षोडश मातृका का मुख नैऋत्य कोण की ओर होना चाहिए। ज्ञान प्राप्ति के लिए पूजागृह में उत्तर-दिशा में बैठकर उत्तर की ओर मुख करके पूजा करनी चाहिए और धन प्राप्ति के लिए पूर्व दिशा में पूर्व की ओर मुख करके पूजा करना उत्तम है।

मंत्र क्या है क्यों जरूरी है?

मंत्र शब्दों का एक खास क्रम है जो उच्चारित होने पर एक खास किस्म का स्पंदन पैदा करते हैं, जो हमें हमारे द्वारा उन स्पंदनों को ग्रहण करने की विशिष्ट क्षमता के अनुरूप ही प्रभावित करते हैं। हमारे कान शब्दों के कुछ खास किस्म की तरंगों को ही सुन पाते हैं। उससे अधिक कम आवृति वाली तरंगों को हम सुन नहीं पाते। हमारे सुनने की क्षमता 20 से 20 हजार कंपन प्रति सेकेंड हैं। पर इसका यह अर्थ नहीं कि अन्य तरंगे प्रभावी नहीं है। उनका प्रभाव भी पड़ता है और कुछ प्राणी उन तरंगों को सुनने में सक्षम भी होते हैं। जैसे- कुछ जानवरों और मछलियों को भूकंप की तरंगों की बहुत पहले ही जानकारी प्राप्त हो जाती है और इनके व्यवहार में भूकंप आने के पहले ही परिवर्तन दिखाई देने लगता है। इन्हीं सिद्धांतों पर आज की बेतार का तार प्रणाली भी कार्य करती है। इसे इस उदाहरण के द्वारा आसानी से समझा जा सकता है कि रेडियो तरंगे हमारे चारों ओर रहती है पर हमें सुनाई नहीं पड़ती क्योंकि वे इतनी सूक्ष्म होती हैं कि हमारे कानों की ध्वनि ग्राह्म क्षमता उन्हें पकड़ ही नहीं पाती। मंत्रों की तरंगे इनसे भी अधिक सूक्ष्म होती हैं और हमारे चारों ओर फैल जाती हैं। अब यह हम पर निर्भर है कि हम खुद को उसे ग्रहण करने के कितने योग्य बना पाते हैं। मंत्रों से निकलने वाली स्थूल ध्वनि तरंगों के अलावा उसके साथ श्रद्धाभाव व संकल्प की तरंगे भी मिली होती हैं। स्थूल ध्वनि तरंगों के अलावा जो तरंगे उठती हैं, उन्हें हमारे कान ग्रहण नहीं कर पाते। वे केश-लोमों के जरिए हमारे अंदर जाकर हमें प्रभावित करती हैं। मंत्रों के सूक्ष्म तरंगों को ग्रहण करने में केश-लोम बेतार का तार की तरंगे ग्रहण करने वालों की भाँति काम करते हैं और उनके माध्यम से ग्रहण किए गए मंत्रों की सूक्ष्म तरंगे हमारी समस्याओं के शमन में सहायक होती हैं। शब्दों का खेल बहुत ही निराला है। मंत्र भी शब्दों का साम्यक संयोजन ही होता है। पर साथ ही इसमें सार्थकता भी जरूरी है। मंत्र के प्रभावी होने के लिए यह जरूरी है कि उच्चारण करने वाले को उसके भाव व उद्देश्य का पूरा ज्ञान हो। भाव तथा अर्थ के बगैर उसका पाठ निरर्थक सिद्ध होता है। इसी कारण कभी-कभी सही मंत्रों का भी

मंत्रों से निकलने वाली स्थूल ध्वनि तरंगों के अलावा उसके साथ श्रद्धाभाव व संकल्प की तरंगे भी मिली होती हैं। स्थूल ध्वनि तरंगों के अलावा जो तरंगे उठती हैं, उन्हें हमारे कान ग्रहण नहीं कर पाते। वे केश-लोमों के जरिए हमारे अंदर जाकर हमें प्रभावित करती हैं। मंत्रों के सूक्ष्म तरंगों को ग्रहण करने में केश-लोम बेतार का तार की तरंगे ग्रहण करने वालों की भाँति काम करते हैं और उनके माध्यम से ग्रहण किए गए मंत्रों की सूक्ष्म तरंगे हमारी समस्याओं के शमन में सहायक होती हैं।

सही प्रभाव नहीं पड़ता। यह वह महत्वपूर्ण त्रुटि है जिसकी वजह से मंत्रों का भी सही प्रभाव नहीं पड़ता। फलस्वरूप अब अधिकांश लोगों का इस विद्या से विश्वास उठ गया है। कुछ लोग तो मात्र लोभ के कारण इसके ज्ञाता बनने का ढोंग किए बैठे हैं। जबकि उन्हें वास्तविक अर्थ का तनिक भी ज्ञान नहीं है। अनेक लोग मंत्रों के लय और उच्चारण से भी अपरिचित होते हैं। मंत्रों में अपार शक्ति होती है और उनकी संख्या भी महाप्रभु की अनंतता की तरह ही अंसख्य है। सभी मंत्रों की साधना के ढंग अलग-अलग हैं और उनसे मिलने वाले फल भी भाँति-भाँति के होते हैं। मंत्रों का एक सीधा प्रभाव उसके उच्चारण से स्वयं उच्चारणकर्ता पर पड़ता है और दूसरा उस पर जिसे निमित्त बनाकर जिसके नाम से संकल्प लिया जाता है। मंत्र चैतन्य व दिव्य ऊर्जा से युक्त होते हैं परंतु गुरु परंपरा से प्राप्त मंत्र ही प्रभावी होते हैं। अतः मंत्रों में जो चमत्कारी शक्ति निहित होती है, उसका पूरा लाभ उठाने के लिए आवश्यक है कि उसे पूरी तरह व सही मायने में जाना जाए। उसके लिए जानने-समझने वाले समर्थ गुरु से दीक्षा सहित मंत्र की जानकारी हासिल करना आवश्यक है। सच्चे गुरु के बिना मंत्रों का सही उच्चारण, लय व जप-विधि के बारे में कुछ भी जानना मुशिकल है। गुरु द्वारा बताए मंत्रों का सही तरीके से नियमपूर्वक व श्रद्धा से जप किया जाए तो उनसे अवश्य लाभ मिलता है।

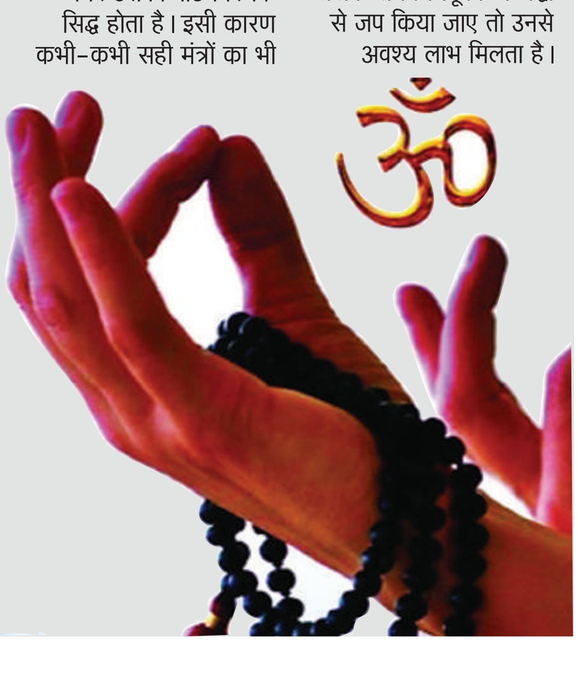

यूक्रेन पर हमले का 10वां दिन

रूस का यूक्रेन के दो शहरों में सीजफायर का ऐलान लोगों को बाहर निकालने के लिए कॉरिडोर खोलेगा

मॉस्को

यूक्रेन और रूस के बीच 10वें दिन भी जंग जारी है। मीडिया रिपोर्ट्र्स के मुताबिक रूस ने दो शहरों- मारियुपोल और वोल्नोवाखा में सीजफायर का ऐलान कर दिया है। यूक्रेन में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए सीजफायर का ऐलान हुआ है। यानी जब तक यहां फंसे हुए लोगों को निकाल नहीं लिया जाता, तब तक हमले नहीं किए जाएंगे। भारतीय समय के अनुसार सुबह 11:30 बजे सीजफायर किया गया। इसके पहले यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस सैन्य ठिकानों के अलावा रिहाइशी इलाकों में भी लगातार हमले कर रहा है। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से रूस को रोकने में मदद करने की अपील की है। जेलेंस्की ने कहा, अगर रूस को नहीं रोका गया, तो पूरा यूरोप खत्म हो जाएगा।

रूस ने फेसबुक-ट्विटर को बैन किया

यूक्रेन से जंग के बीच रूस ने फेसबुक और ट्विटर पर बैन लगा दिया है। पुतिन प्रशासन ने कहा है कि रूसी मीडिया के कंटेंट पब्लिशिंग में भेदभाव करने की वजह से यह प्रतिबंध लगाया गया है। रूसी सेंसरशिप एजेंसी रोसकोम्नाडजोर ने कहा कि फेसबुक-ट्विटर के खिलाफ 26 मामले आए थे, जिसके बाद यह फैसला किया गया है। वहीं फेसबुक ने बयान जारी कर कहा है कि रूस के इस फैसले से लाखों लोगों को भरोसेमंद जानकारी नहीं मिल सकेगी।

जपोरिझिया न्यूक्लियर प्लांट पर अटैक के बाद ह की मीटिंग

यूक्रेन के जपोरिझिया न्यूक्लियर प्लांट पर रूसी हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र (ह) की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई। इसमें रूसी ऐंबैस्डर ने कहा कि एटमी प्लांट पूरी तरह काम कर रहा है और वहां रूस की कोई दखलअंदाजी नहीं है। इसी बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने दावा किया है कि यूक्रेन ने कीव के बाहर रूसी सैनिकों पर हमले कर उसे कमजोर कर दिया है।

रूस ने न्यूक्लियर प्लांट में वर्कर्स की हत्या कीः यूक्रेन

UN में डिबेट के दौरान यूक्रेन के ऐंबैस्डर सर्गिय किस्लित्सिया ने दावा किया कि रूसी सैनिकों ने न्यूक्लियर प्लांट में काम कर रहे वर्कर्स की हत्या की है। उन्होंने कहा कि सुबह सेना के जवान जपोरिझिया प्लांट के पास पहुंचे और वहां मॉनिटरिंग कर रहे कर्मचारियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। यूक्रेन ने कहा कि रूसी आतंक को रोकना पूरी दुनिया का कर्तव्य है।

पोलैंड ने स्पेनिश पत्रकार को गिरफ्तार किया

पोलैंड में सुरक्षा बलों ने स्पेनिश मूल के एक पत्रकार पाब्लो गोंजालेज को रूस की तरफ से जासूसी करने के शक में गिरफ्तार किया है। इस मामले में उन्हें 10 साल तक जेल में रहना पड़ सकता है। पत्रकार की पत्नी ओहाना गोहरीना ने रॉयटर्स को बताया कि शुक्रवार को पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर जेल ले गई है।

मेरठ में इंजन की आग दो कोच तक पहुंची

पैसेंजर्स ने बाकी डिब्बों को धक्का देकर अलग किया

मेरठ

मेरठ में शनिवार सुबह पैसेंजर ट्रेन के इंजन और दो कोच में आग लग गई। यह हादसा मेरठ शहर से 18 किमी. दूर दौराला स्टेशन पर हुआ। सहारनपुर से दिल्ली की तरफ जा रही ट्रेन मेरठ के दौराला स्टेशन पर खड़ी हुई थी। अचानक ट्रेन के कोच में धुआं उठने लगा। आनन-फानन में रेलवे कर्मचारियों ने आग लगे इंजन और दो डिब्बों को अलग किया। इसके बाद यात्रियों ने धक्का लगाते हुए ट्रेन की अन्य बोगियों को आग से बचाया। यात्रियों के इस प्रयास की लोगों ने काफी सराहना की है। रेलवे कर्मचारियों ने कहा कि अगर समय रहते वह ट्रेन के अन्य डिब्बों को धक्का लगा कर अलग न करते तो कई डिब्बे जल जाते।

यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

सुबह के समय कोहरा पड़ रहा था। सहारनपुर से दिल्ली जानी वाली पैसेंजर ट्रेन दौराला स्टेशन पर रुकी। इसमें यात्री भी सवार होने लगे। इस दौरान यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना कंट्रोल रूम को दी गई। यात्री महेश कुमार ने बताया कि उन्हें मेरठ जाना था, सहारनपुर से सवार हुआ था। देखा तो ट्रेन के डिब्बे में आग लग गई।

इंजन से हुई आग की शुरुआत

ट्रेन में आग की शुरूआत इंजन से शुरू हुई। इंजन के पीछे वाले पेसेंजर डिब्बे ने भी आग पकड़ ली। यात्री ट्रेन से कूदकर जान बचाकर भागते रहे। इस दौरान यात्रियों ने वीडियो भी बना ली। आग से एक कोच जलकर खाक हो गया। इसे रेलवे के अधिकारियों ने ट्रेन से अलग किया।

यह बोले अधिकारी

इंस्पेक्टर दौराला नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस मौके पर पर है। उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है। मुख्य अग्नि शमन अधिकारी संतोष कुमार राय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

ग्रे लिस्ट में ही रहेगा पाकिस्तान : एफएटीएफ बोला- मनी लॉन्ड्रिंग की जांचों और मुकदमों पर अभी और काम करना होगा

पेरिस

पेरिस स्थित फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को एक बार फिर अपनी निगरानी सूची यानी ग्रे लिस्ट में ही रखा है। पाकिस्तान से कहा गया है कि वह मनी लॉन्ड्रिंग की जांचों और मुकदमों पर अभी और काम करे। एफएटीएफ की चार दिन चली बैठक के बाद यह फैसला किया गया। पाकिस्तान जून 2018 से ही टेरर फाइनेंसिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ एक्शन में कोताही बरतने के कारण एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में है।

पाकिस्तान के अनुसार, उनका देश 2023 तक एफएटीएफ के सभी शर्तों को पूरा कर देगा। एफएटीएफ ने अक्टूबर 2021 में पाकिस्तान को 34 में से चार शर्तें पूरी न कर पाने के कारण जनवरी 2022 तक के लिए ग्रे लिस्ट में रखा था। तब एफएटीएफ ने कहा था कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र से प्रतिबंधित आतंकी समूहों के शीर्ष नेताओं के खिलाफ टेरर फाइनेंसिंग की जांच और सजा दिलवाने में लापरवाही बरती है। इस लिस्ट में होने से पाकिस्तान के आयात-निर्यात, कहीं भेजे गए रुपए, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उधारी लेने पर विपरीत असर हुआ है।

चार बार कोशिश, पर नाकाम रहा पाकिस्तान:- पाकिस्तान को जून 2018 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था। अक्टूबर 2018, 2019, 2020, अप्रैल 2021 और अक्टूबर 2021 में हुई समीक्षा में भी पाकिस्तान को राहत नहीं मिल सकी। क्योंकि यह एफएटीएफ की सिफारिशों पर काम करने में विफल रहा है। इस दौरान पाकिस्तान में आतंकी संगठनों को विदेशों से और घरेलू स्तर पर आर्थिक मदद मिली है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीनगर के अस्पताल में लगी आग, बिल्डिंग का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह जलकर खाक

श्रीनगर। शुक्रवार देर रात श्रीनगर के बोन एंड ज्वाइंट हॉस्पिटल बरजुल्ला में भीषण आग लग गई। जिससे ट्रॉमा, इमरजेंसी व रिकवरी वार्ड पूरी तरह जलकर खाक हो गए। आग पर काबू पाने के लिए दमकल के वाहनों को भेजा गया। लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थी कि तीन मंजिला इमारत का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह जल गया। आग लगने के कारण का खुलासा अब तक नहीं हुआ है।

इस्लामिक स्टेट ने ली पाकिस्तान में मस्जिद विस्फोट की जिम्मेदारी

पेशावर। इस्लामिक स्टेट ने पाकिस्तान के पेशावर शहर की एक मस्जिद में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। जिसमें 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। शुक्रवार को दो आतंकवादियों ने पेशावर में मस्जिद के पास पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाईं। उसके बाद एक आतंकवादी ने इमारत में घुसकर विस्फोट कर दिया। इस हमले में 57 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी शुक्रवार को इस विस्फोट की निंदा की थी।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भाई की निंदा पर दो मंत्री हटाए

कोलंबो । श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने ऊर्जा मंत्री उदय गम्मनपीला और उद्योग मंत्री विमल वीरवंस को हटा दिया है। यह कार्रवाई राष्ट्रपति के छोटे भाई और वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे की आलोचना करने पर हुई है। मंत्रियों ने आर्थिक बदहाली के लिए बेसिल को जिम्मेदार बताया था।

पाकिस्तान में बेनजीर की बेटी घायल

पाकिस्तान के पंजाब में आसिफा भुट्टो के चेहरे से टकराया ड्रोन, इमरान के खिलाफ रैली कर रही थीं

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी पंजाब में इमरान सरकार के खिलाफ रोड शो कर रही थीं। इसी दौरान उनके चेहरे से एक ड्रोन टकराया, जिसमें वे घायल हो गईं। रैली में आसिफा के भाई और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो भी मौजूद थे। घटना के बाद सिक्योरिटी फोर्स ने तुरंत ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी पंजाब में इमरान सरकार के खिलाफ रोड शो कर रही थीं। इसी दौरान उनके चेहरे से एक ड्रोन टकराया, जिसमें वे घायल हो गईं। रैली में आसिफा के भाई और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो भी मौजूद थे। घटना के बाद सिक्योरिटी फोर्स ने तुरंत ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया। आसिफा के ऊपर ड्रोन टकराने के बाद सुरक्षाबलों ने ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं बिलावल भुट्टो ने कहा कि जांच में हम पता लगाने रहे हैं कि क्या यह साजिश है? जांच के बाद हम कार्रवाई करेंगे।

पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया है कि जिस ड्रोन से घटना हुई है, वो ड्रोन, सत्ताधारी नेता अलीम खान के चैनल का है। 2007 में रावलपिंडी के चुनावी रैली में एक आत्मघाती हमलावर ने बेनजरी भुट्टो की हत्या कर दी थी। भुट्टो के साथ उनकी पार्टी के 20 कार्यकर्ताओं की भी जान गई थी और 71 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। भुट्टो हत्याकांड में 16 लोगों को आरोपी बनाया गया था।

मारियुपोल शहर में रूस ने एक अपार्टमेंट पर मिसाइल दागी। इसमें अपार्टमेंट का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह जल गया।

यूक्रेन से सदी का सबसे तेज पलायन

आबादी के 2 फीसदी से अधिक लोगों ने वतन छोड़ा; 6.5 लाख यूक्रनियों ने पोलैंड में शरण ली

कीव

यूक्रेन पर रूसी हमले के 9 दिन बीत जाने के बाद भी जंग की भयावहता खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग के ताजा आकड़ों के मुताबिक रूसी हमले के बाद से 8 दिन में करीब 10 लाख नागरिकों ने यूक्रेन छोड़ा है। पिछले 100 साल में कभी इतनी तेज गति से पलायन नहीं हुआ है। UNHCR के मुताबिक, पलायन करने वाले लोगों का आंकड़ा यूक्रेन की आबादी के 2 फीसदी से भी अधिक है। यूक्रेन के नागरिक रोमानिया, पोलैंड, मोलडोवा, स्लोवाकिया और हंगरी में शरण ले रहे हैं। इनमें सबसे अधिक 6.5 लाख यूक्रेनियों ने पड़ोसी देश पोलैंड की शरण ली है। वहीं, 53 हजार शरणार्थी रूस भी पहुंचे हैं। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, 2020 के अंत में यूक्रेन की आबादी 4.4 करोड़ थी। UNHCR ने आशंका जाहिर की है कि अगर हालात और बिगड़ते हैं तो करीब 40 लाख लोग दूसरे देशों में शरण लेने को मजबूर हो सकते हैं।

पलायन करने वाले लोगों की सबसे ज्यादा संख्या 2011 में देखी गई थी। सीरिया में छिड़े संघर्ष के कारण 57 लाख लोगों को देश छोड़ना पड़ा था। पलायन के बाद सबसे कम संख्या में लोग बेलारूस पहुंच रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि बेलारूस रूस का सहयोगी देश है।

आंतरिक विस्थापन भी झेल रहे यूक्रेनी:- यूक्रेन की UNHCR प्रतिनिधि कैरोलिना लिंडहोम ने पिछले दिनों बताया कि दुनिया उन लोगों के आंकड़ों पर गौर कर रही है, जिन्होंने पड़ोसी देशों में शरण ली है, लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि प्रभावित लोगों की सबसे बड़ी संख्या अभी भी यूक्रेन के भीतर मौजूद है। हमारे पास अभी भी यूक्रेन के अंदर विस्थापित लोगों की संख्या के बारे में विश्वसनीय आंकड़े नहीं हैं। ह॥ष्टक्र का अनुमान है कि करीब 10 लाख लोग देश में आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो फिलहाल ट्रेन, बस या कार में हैं और सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन में पढ़ने वाले हजारों विदेशी स्टूडेंट्स भी हमले से प्रभावित हुए हैं। इन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़कर देश लौटना पड़ा रहा है।

रोमानिया के कैम्प में मनाया गया इंडियन स्टूडेंट का बर्थडे

नई दिल्ली

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन गंगा के तहत शनिवार को 11 फ्लाइट्स आएंगी। इनमें 2,200 से अधिक भारतीयों को वापस लाया जाएगा। इन फ्लाइट्स में से 10 दिल्ली में और एक मुंबई में उतरेगी। उधर रोमानिया के एक कैम्प में इंडियन स्टूडेंट, कार्तिक, का बर्थ डे सेलिब्रेट किया गया। शनिवार सुबह 8 बजे तक वायुसेना के तीन C-17 कार्गो विमान 629 भारतीयों को लेकर दिल्ली पहुंच गए हैं। रोमानिया के सुसिआवा से 229 भारतीयों को लेकर इंडिगो का एक विमान भी सुबह करीब 7 बजे दिल्ली पहुंचा था।

स्टूडेंट्स के लिए राहत भरी खबरः- उधर यूक्रेन में अपनी मेडिकल की पढ़ाई बीच में छोड़कर भारत लौट रहे स्टूडेंट्स के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन ने बड़ी राहत दे दी। फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन पास करने वालों को देश में इंटर्नशिप के लिए फीस नहीं देनी होगी। कमीशन के उपसचिव शंभु शरण कुमार ने शुक्रवार को यह आदेश जारी किया। साथ ही विदेश से पढ़कर आने वाले छात्रों के लिए इंटर्नशिप की 7.5 फीसदी सीटें तय की गई हैं। अब 18 नवंबर 2021 से पहले विदेश से MBBS करने वाले स्टूडेंट्स को भारत में आकर एक साल की इंटर्नशिप करनी होगी। अब तक केवल दिल्ली में इंटर्नशिप फीस नहीं देनी पड़ती थी।

4 दिन बाद भी नवीन का शव लाने पर निर्णय नहीं

यूक्रेन में गोलाबारी में मारे गए MBBS स्टूडेंट नवीन के शव को वापस लाने के प्रयास जारी हैं। यह बात कर्नाटक के ष्टरू बसवराज बोम्मई ने कही। उन्होंने बताया कि वे भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं, इस मामले पर विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी बात की गई है।

वार्न के निधन पर शोक में क्रिकेट जगत : महिला वर्ल्ड कप में काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे खिलाड़ी, MCG का सदर्न स्टैंड अब वार्न के नाम पर

सिडनी

वर्ल्ड क्रिकेट ने शुक्रवार को क्रिकेट जगत का एक नायाब हीरा खो दिया। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर शेन वॉर्न का निधन हार्ट अटैक से सिर्फ 52 साल की उम्र में हो गया। न्यूजीलैंड में खेले जा रहे आईसीसी महिला वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मुकाबले के शुरू होने से पहले पूरी महिला टीम ने एक मिनट का मौन रखकर शेन वॉर्न को श्रद्धांजलि दी। खिलाड़ी काली पट्टी पहनकर मैदान पर उतरे। खिलाड़ियों की इस पहल को मैदान पर मौजूद फैंस का भी साथ मिला।

वॉर्न और मार्श को दी गई श्रद्धांजलि

वॉर्न ने शुक्रवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रॉड मार्श के निधन पर ट्वीट किया था। इसमें उन्होंने मार्श के निधन पर दुख जताया था। यह उनके जीवन का आखिरी ट्वीट साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने मौन रखकर शेन वॉर्न के साथ साथ मार्श के निधन पर भी शोक जताया।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड का सदर्न स्टैंड अप वार्न के नाम

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड का ग्रेट सदर्न स्टैंड अब वार्न स्टैंड के नाम से जाना जाएगा। विक्टोरियन खेल मंत्री मार्टिन पाकुला ने शनिवार को इसकी घोषणा की। थाईलैंड के विला में बेसुध पाए गए थे शेन रिपोर्ट के मुताबिक शेन वॉर्न थाईलैंड के एक विला में बेसुध पाए गए थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के तमाम प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

1992 में भारत के खिलाफ किया था डेब्यू, 2007 में हुए थे रिटायर

शेन वॉर्न ने 23 साल की उम्र में भारत के खिलाफ 1992 में सिडनी टेस्ट से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच जनवरी 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में ही खेला था।

1999 में वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और फाइनल में मैन ऑफ द मैच

शेन वॉर्न वनडे क्रिकेट में भी बेहद असरदार गेंदबाज रहे। 1999 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को चैंपियन बनाने में वॉर्न ने अहम भूमिका निभाई थी। वे इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के दो सबसे अहम मैच सेमीफाइनल (विरुद्ध साउथ अफ्रीका) और फाइनल (विरुद्ध पाकिस्तान) में मैन ऑफ द मैच चुने गए थे।

न्यूज़ ब्रीफ

इगोर स्टिमक ने बहरीन में दो मैत्री मुकाबलों के लिए 38 संभावित खिलाड़ी चुने

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने इस महीने बहरीन के मनामा में होने 2 अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों के तैयारी शिविर के लिए 38 संभावित खिलाडियों के नाम की घोषणा की जिसमें 8 नए चेहरे शामिल हैं। गोलकीपर प्रभसुखन गिल और मोहम्मद नवाज, डिफेंडर दीपक तंगड़ी और रोशन सिंह के अलावा मिडफील्डर विक्रम प्रताप सिंह, वीपी सुहेर, अनिकेत जाधव और जैरी माविमिनंगथांगा को पहली बार राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया है। भारत को मैत्री मुकाबलों में 23 मार्च को बहरीन जबकि 26 मार्च को बेलारूस से भिड़ना है। अतैयारी शिविर पुणे में 10 मार्च को शुरू होगा। मौजूदा इंडियन सुपर लीग के सेमीफाइनल में खेल रहे क्लब के खिलाड़ी अपने क्लब की प्रतिबद्धता खत्म होने पर शिविर से जुड़ेंगे। इसके बाद सूची में कटौती की जाएगी। भारतीय टीम 21 मार्च को बेहरीन रवाना होगी। मनामा में होने वाले दो मैत्री मैच 2023 एएफसी एशियाई कप के तीसरे दौर के क्वालीफायर की भारत की तैयारी का हिस्सा हैं। ये क्वालीफायर जून में कोलकाता में होंगे।

संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं-

गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, धीरज सिंह, प्रभसुखन गिल और मोहम्मद नवाज।

डिफेंडर : प्रीतम कोटल, आशुतोष मेहता, सेरिटन फर्नांडिज, आशीष राय, राहुल भेके, संदेश झिंगन, दीपक तंगड़ी, नरेंदर गहलोत, चिंगलेनसाना सिंह, सुभाशीष बोस, आकाश मिश्रा, मंदार राव देसाई और रोशन सिंह।

मिडफील्डर : उदांता सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, अनिरुद्ध थापा, सहल अब्दुल समद, प्रणल हलधर, जैकसन सिंह, ग्लेन मार्टिन्स, ब्रेंडन फर्नांडिज, वीपी सुहेर, लालेंगमाविया, यासिर मोहम्मद, अशिक कुरुनियन, अनिकेत जाधव, लालियानजुआला चांगटे, बिपिन सिंह और जैरी माविमिनंगथांगा।

फारवर्ड : मनवीर सिंह, लिस्टन कोलासो, सुनील छेत्री और रहीम अली।

प्रो बास्केटबॉल लीग 5 मार्च से चंडीगढ़ में, प्रिंसपाल सिंह जैसे सितारे दिखेंगे एक्शन में

नई दिल्ली। भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) और अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल महासंघ (एफआईबीए) द्वारा स्वीकृत 3×3 प्रो बास्केटबॉल लीग (3बीएल) अपने तीसरे सीजन के साथ लौट आई है। 5 मार्च से चंडीगढ़ में शुरू होने वाली इस लीग का फाइनल 21 मार्च को खेला जाएगा। लीग की घोषणा लीग कमिश्नर रोहित बख्शी और निदेशक प्रेरण शर्मा ने की। इस दौरान फेडरेशन के महासचिव चंदर मुखी शर्मा के साथ शीर्ष खिलाड़ी मौजूद रहे।

मोहाली टेस्ट : टीम इंडिया ने 574/8 के स्कोर पर घोषित की पारी

जडेजा ने बनाए नाबाद 175 रन

नई दिल्ली

भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी 574/8 के स्कोर पर घोषित की। नंबर 7 पर खेलते हुए नाबाद 175 रन बनाने वाले रवींद्र जडेजा टॉप स्कोरर रहे। आर अश्विन ने भी 61 रन की बढ़िया पारी खेली। श्रीलंका के लिए सुरंगा लकमक और विश्वा फर्नांडो ने 2-2 विकेट चटकाए। जवाब में श्रीलंका ने पहले ओवर तक बिना विकेट खोए 6 रन बना लिए हैं। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने 5 रन और लाहिरू थिरिमाने 0 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

सर जडेजा ने मचाई धूम

रवींद्र जडेजा ने कमाल की बैटिंग करते हुए 228 गेंदों पर नाबाद 175 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में ये उनका सबसे बढ़िया प्रदर्शन रहा। उन्होंने छक्का लगाकर पहली बार टेस्ट क्रिकेट में 150 रन का आंकड़ा पूरा किया था। जडेजा के टेस्ट करियर का ये दूसरा और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका ये 11वां शतक है। इससे पहले सर जडेजा ने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 100 रन की पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट के अपने दोनों शतक जडेजा ने नंबर 7 पर बैटिंग करते हुए लगाए। जडेजा ने शतक का जश्न अपने ही स्टाइल में तलवार चलाकर बनाया। उनकी देखा-देखी बाउंड्री लाइन के बाहर मोहम्मद सिराज भी तलवार चलाते नजर आए।

कपिल का रिकॉर्ड तोड़ा

नाबाद 175 रन की पारी खेलने वाले जडेजा टेस्ट क्रिकेट में 7वें नंबर बैटिंग करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा। कपिल ने 1986 में श्रीलंका के ही खिलाफ कानपुर टेस्ट में 163 रन बनाए थे।

स्पेशल क्लब का हिस्सा बने जडेजा:- इसके साथ ही रवींद्र जडेजा इंटरनेशनल क्रिकेट में 400 विकेट लेने के अलावा 5000 रन बनाने वाले में दूसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले ये कारनामा कपिल देव ने किया था। कपिल ने टेस्ट और वनडे में 9031 रन बनाने के अलावा 687 विकेट चटकाए थे।

अश्विन की जोरदार पारी

नंबर 8 पर बैटिंग करने उतरे रविचंद्रन अश्विन ने शानदार बल्लेबाजी की। स्टार ऑलराउंडर ने केवल 67 गेंदों अपने करियर का 12वां अर्धशतक पूरा किया। वह 61 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। अश्विन का विकेट सुरंगा लकमक के खाते में आया।

अश्विन (61) उनके टेस्ट करियर का ये 11वां और श्रीलंका के खिलाफ तीसरा अर्धशतक रहा।

अश्विन (61) श्रीलंका के खिलाफ ये उनका सबसे बढ़िया स्कोर रहा।

7वें विकेट के लिए जडेजा और अश्विन ने 174 गेंदों पर 130 रन जोड़े। जडेजा और अश्विन ने पहली बार एक साथ बैटिंग करते हुए शतकीय साझेदारी निभाई।

जडेजा-अश्विन (130) 7वें विकेट के लिए श्रीलंका के खिलाफ ये भारत की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी है।

टीम इंडिया ने बनाया रिकॉर्ड

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह केवल चौथा मौका है, जब एक टेस्ट पारी में टीम के टॉप आठ बल्लेबाजो ने 25+ स्कोर बनाया हो। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले 2007 में भारत ने ही आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ यह कारनामा किया था।

रॉड मार्श और शेन वॉर्न को श्रद्धांजली

रॉड मार्श और शेन वॉर्न को श्रद्धांजली देने के लिए भारत और श्रीलंका दोनों टीमों ने दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा। साथ ही दोनों टीमों के खिलाड़ी हाथों पर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे हैं।

लाहिरू कुमारा हुए इंजर्ड

श्रीलंका की टीम मोहाली टेस्ट में मुश्किल में आ गई है। तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा चोट के चलते अब इस टेस्ट मैच में गेंदबाजी करते नहीं दिखेंगे। लाहिरू को टेस्ट मैच के पहले दिन हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। उम्मीद की जा रही थी कि वो दूसरे दिन टीम के लिए गेंदबाजी करते दिखेंगे। लेकिन, अब खबर है कि वो

पंत ने की धोनी के अनचाहे वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 5 बार नर्वस नाइनटीज में आउट होने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली में खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को भारत ने 6 विकेट के नुकसान पर 357 रन बनाए। ऋषभ पंत सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, हालांकि वे शतक से चूक गए और 97 गेंदों पर 96 रन ही बना सके। इसके साथ ही उन्होंने अपने नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड भी दर्ज करवा लिया। पंत ने 90 से100 रन के बीच टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार आउट होने के महेंद्र सिंह धोनी के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब वे धोनी के साथ 5 बार शतक से चूकने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए है। वहीं उनके बाद क्विंटन डिकॉक का नाम आता है। डिकॉक 4 बार सेंचुरी से चूके थे।

25 साल से कम उम्र में नर्वस नाइनटीज के रिकॉर्ड की बराबरी:- पंत ने अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स के 25 साल से कम उम्र में सबसे ज्यादा नर्वस नाइनटीज के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। डिविलियर्स भी पंत की तरह 5 बार 25 साल की उम्र से पहले टेस्ट शतक लगाने से चूक गए थे। पंत ने इस साल श्रीलंका के खिलाफ 96 रन आउट होने से पहले साल 2018 में पहली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में राजकोट और हैदराबाद में हुए टेस्ट मैच में 92 रनों पर आउट हुए थे। पिछले साल आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में वो 97 रन पर पवेलियन लौट गए थे।

डेविस कप : रामकुमार और युकी ने भारत को दिलाई 2-0 की बढ़त

नई दिल्ली

देश के शीर्ष खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और युकी भांबरी ने उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए दिल्ली जिमखाना क्लब के ग्रास कोर्ट पर शानदार जीत हासिल कर भारत को डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप विश्व ग्रुप-1 प्लेऑफ मुकाबले में शुक्रवार को 2-0 की बढ़त दिला दी। रामकुमार ने पहले एकल मैच में क्रिश्चियन सिग्सगाड को मात्र 59 मिनट में 6-3, 6-2 से शिकस्त दी जबकि युकी भांबरी ने दूसरे एकल मैच मैच में माइकल टोरपेगार्क को एक घंटे 27 मिनट में 6-4, 6-4 से हराया। मुकाबले के युगल मैच में शनिवार को रोहन बोपन्ना और दिविज शरण के सामने डेनमार्क के कप्तान फ्रेडरिक नीलसन और जोहानस इंगिल्ड्सन की चुनौती रहेगी। शनिवार को ही पहले उलट एकल में रामकुमार का सामना माइकल टोरपेगार्ड से होगा जबकि युकी का सामना क्रिस्टियन सिग्स्गाड से होगा। मुकाबले के बाद दोनों भारतीय खिलाड़ियों और गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल ने प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सब कुछ उनकी योजना के अनुसार रहा जबकि डेनमार्क ने भारत की जीत का श्रेय भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन को दिया।

मौत से पहले शेन वॉर्न के आखिरी 20 मिनट

4 दोस्तों ने जान बचाने की पूरी कोशिश की, विला में बेहोश गिरा मिला था दिग्गज

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिन गेंदबाज शेन वॉर्न का 52 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्होंने थाइलैंड के सामुई में अपनी आखिरी सांस ली। वो चार दोस्तों के साथ वहां हॉलिडे पर गए थे। 20 मिनट तक उनके दोस्त और मेडिकल एक्सपर्ट ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बचा नहीं सके। यही बीस मिनट उनके जिंदगी के आखिरी पल साबित हुए। वह सामुई के एक प्राइवेट विला में रह रहे थे। जब वॉर्न ब्रेकफास्ट करने नहीं आए तो एक दोस्त उन्हें बुलाने गया। जब वो पहुंचा तो वो बेहोश गिरे पड़े मिले थे।

सीपीआर से भी नहीं बच पाई वॉर्न की जान

दोस्त उन्हें बेहोश देखकर घबरा गए और वो वॉर्न को सीपीआर देने लगे साथ ही उन्होंने तुरंत एम्बुलेंस को फोन भी किया। जब तक इमरजेंसी टीम वहां पहुंची उनके दोस्त पिछले 5 मिनट से उन्हें सीपीआर दे रहे थे। इमरजेंसी टीम ने भी अगले 10 मिनट तक उनको सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें थाई इंटरनेशनल हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल ने भी उन्हें पांच मिनट तक सीपीआर दिया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

क्या होता है सीपीआर?

सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटैशन) एक तरह की मेडिकल थैरेपी है, जो मरीज की जान बचाने के लिए इमरजेंसी हालत में दी जाती है। यह थैरेपी कार्डियक अरेस्ट आने या फिर सांस लेने में दिक्कत होने की स्थिति में दी जाती है।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री ने वॉर्न के दोस्तों से की बात

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मारिस पेन ने थाईलैंड में वॉर्न के दोस्तों से बात की है। कई अधिकारी शनिवार को आगे की कार्रवाई में मदद के लिए थाईलैंड जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम थाई प्रशासन के साथ काम कर वॉर्न के निधन के बाद आगे की कार्रवाई के लिए संपर्क में हैं।

रिकॉर्ड के बादशाह थे शेन वॉर्न

सिर्फ 52 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहने वाले वॉर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने शानदार प्रदर्शन के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। वॉर्न टेस्ट क्रिकेट में 600 और 700 विकेट के माइलस्टोन तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने थे। वे ढ्ढक्करु टाइटल जीतने वाले पहले कप्तान बने थे।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग की आंच झेल रहा चाय उद्योग

नई दिल्ली। भारत-सोवियत संघ के संबंधों को लेकर यह बात मजाक में कही जाती थी कि राजकपूर की फिल्में और चाय रूस में खूब बिकती हैं। 1991 के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ के विभाजन और केंद्रीय खरीद तंत्र के खत्म होने के साथ इस क्षेत्र में चाय निर्यात का दबदबा खत्म हो गया। अब फिर से 30 साल बाद रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की वजह से चाय उद्योग अधर में है। भारतीय चाय के शीर्ष दो खरीदारों में से एक रूस जबकि दूसरा ईरान है जिनका उद्योग के कुल निर्यात में लगभग 18 प्रतिशत का योगदान है जबकि स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) के लिहाज से यह एक-चौथाई के करीब है। 1980 के दशक में सोवियत संघ द्वारा लगभग 50 प्रतिशत तक की खरीदारी की जाती थी जो अब काफी कम है लेकिन इन बाजारों में किसी भी सेंध का असर घरेलू बाजार में देखा जा सकता है। चाय निर्यातकों को पहले से ही युद्ध की वजह से दिक्कत महसूस हो रही है और बुकिंग के साथ लागत में बढ़ोतरी के चलते माल ढुलाई फिलहाल रूकी हुई है। दक्षिण भारत चाय निर्यातक संघ के अध्यक्ष दीपक शाह ने कहा, %स्टीमर लाइनों ने निर्देश दिए हैं कि वे रूस और यूक्रेन में से किसी से अधिक माल नहीं लेंगे। हमें कंटेनरों के जाने के रास्ते के बारे में भी कोई खास जानकारी नहीं मिली है। हमने यह भी सुना है कि उनकी वापसी हो सकती है जो और मुश्किलें बढ़ाएगा। उत्तर भारत में मध्य दिसंबर से फरवरी के मध्य तक उत्पादन रुक जाता है जबकि दक्षिण भारत में चाय के लिए यह बेहतर मौसम होता है। इस वक्त इस क्षेत्र से उत्तर भारत के लिए पर्याप्त निर्यात होता है और अधिकांश लदान का काम मई से अक्टूबर के बीच होता है। कुल चाय उत्पादन के लगभग 18 प्रतिशत में दक्षिण भारत का योगदान होता है।

भारतीय चाय निर्यातक संगठन के अध्यक्ष अंशुमन कनोडिया ने बताया कि ऐसे निर्यातक थे जो साल भर निर्यात करते थे लेकिन अब लागत आसमान छू रही है। रूस की मुद्रा रूबल में गिरावट और निर्यात पर इसके प्रभाव को लेकर भी चिंताएं बढ़ी हैं। कनोरिया ने कहा, %यह संभावना नहीं है कि रूस रूबल में बहुत अधिक भुगतान करने के लिए तैयार होगा।% रूस को किया जाने वाला निर्यात, डॉलर या रुपये के भुगतान पर आधारित होता है। हालांकि, शाह ने कहा कि संगठन के कुछ सदस्यों को यूक्रेन संकट की वजह से रुपये के क्रेडिट लेटर के बावजूद दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि बैंकर पहले भेजे गए सामान के लिए दस्तावेजों को स्वीकार नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा, %निर्यातकों पर दबाव है।% चाय उद्योग के लिए प्रतिबंध और इसका प्रभाव नया नहीं है। ईरान के निर्यातकों को रुपये-रियाल व्यापार में कमी आने से भुगतान में देरी का सामना करना पड़ रहा है। ईरान भारत में तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता था। जब 2012 में अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाए गए थे तब यूको बैंक के माध्यम से रुपये के भुगतान तंत्र के तहत द्विपक्षीय बैंकिंग व्यापार लेन-देन किए गए थे।

एपल एम्प्लॉई का वर्क फ्रॉम होम खत्म होगा-11 मार्च से सभी एम्प्लॉई को ऑफिस आना होगा, दुनियाभर के स्टोर्स भी खुलेंगे

नई दिल्ली

एपल अपने एम्प्लॉई के लिए अब वर्क फ्रॉम होम खत्म करने वाली है। CNBC की रिपोर्ट के मुताबिक, 11 मार्च से सभी एम्प्लॉई को ऑफिस आना होगा। कोविड-19 माहामारी की वजह से पिछले दो साल से सभी एम्प्लॉई के लिए वर्क फ्रॉम होम चल रहा था। हालांकि, अब इस महामारी का इफेक्ट लगभग खत्म हो गया है।

कोविड महामारी से लोगों को मौत के मामले लगभग खत्म हो चुके हैं। इस वजह से कंपनी अपने कैलिफोर्निया स्थित ऑफिस को खोलने का मन बना चुकी है। अमेरिका में पिछले कुछ दिनों में महामारी से मरने वालों की संख्या शून्य रही है। इससे पहले गूगल भी 4 अप्रैल से सभी एम्प्लॉई के लिए ऑफिस आने का फरमान जारी कर चुकी है।

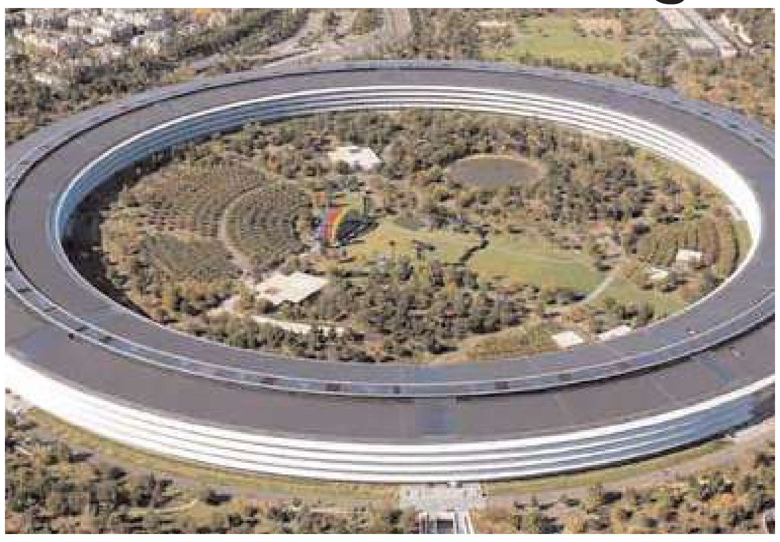

2021 के आखिर में ऑफिस खोलने की थी प्लानिंग

अब कोविड इफेक्ट खत्म होने की वजह से एपल दुनियाभर में अपने स्टोर्स को भी ओपन करेगी। एपल ने पिछले साल के आखिर में ऑफिस खोलने का प्लान किया था, लेकिन कोविड के फिर से बढ़े मामलों के चलते उसने अपना फैसला वापस ले लिया।

कोविड के दौरान कंपनी की रिकॉर्ड कमाई

एपल ने मार्च 2020 में अपने एम्प्लॉई को वर्क फ्रॉम होम देना शुरू कर दिया था। ऐसा करने वाली वो पहली कंपनियां में से एक थी। हालांकि, वर्क फ्रॉम होम के दौरान भी एपल के एम्प्लॉई ने हार्डवेयर प्रोडक्ट के डेवलपमेंट पर शानदार काम किया। कोविड के दौरान कंपनी की कमाई में जबरदस्त ग्रोथ देखने को मिली।

2021 में आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल 3 लाख करोड़ डॉलर नेटवर्थ वाली दुनिया की एकमात्र कंपनी रही। एपल द्वारा दाखिल किए गए एक दस्तावेज के मुताबिक, बीते 10 सालों से एपल का नेतृत्व कर रहे टिम कुक को 2021 में मेहनताने के रूप में 9.87 करोड़ डॉलर, यानी लगभग 734 करोड़ रुपए मिले। द वर्ज के मुताबिक, कुक की बेसिक सैलरी जहां लगभग 22 करोड़ रुपए थी, वहीं टारगेट पूरा करने पर बोनस के रूप में उन्हें 89 करोड़ रुपए मिले और कंपनी के शेयरों से उनकी कमाई 611 करोड़ रुपए से अधिक रही।

31 मार्च तक पैन को आधार से करा लें लिंक

» नहीं कराने पर लग सकता है 10 हजार रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली

पैन को आधार से लिंक कराने की आखिरी तारीख 31 मार्च है। अगर आपने 31 मार्च तक अपने पैन को आधार से नहीं जोड़ा तो यह निष्क्रिय (इनऑपरेटिव) हो जाएगा। इनऑपरेटिव पैन का उपयोग करने पर आप पर 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया जा सकता है। इस समस्या से बचने के लिए जल्द से जल्द आधार-पैन लिंक करना होगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप ये कैसे चेक कर सकते हैं कि आपका पैन, आधार से लिंक है या नहीं। वहीं अगर लिंक नहीं है तो आप किस तरह इन्हें लिंक कर सकते हैं।

ऐसे चेक करें आधार-पैन लिंक हैं या नहीं

सबसे पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ऑफिशियल वेबसाइट incometa&.gov पर जाएं।

यहां नीचे की तरफ लिंक आधार स्टेटस का ऑप्शन मिलेगा, उस पर क्लिक करें।

इसके बाद अगला पेज खुलेगा जहां आपको अपना आधार और पैन नंबर डालकर व्यू आधार लिंक स्टेटस पर क्लिक करना होगा।

इस पर क्लिक करते ही स्क्रीन पर आधार-पैन से लिंक है या नहीं, इसकी जानकारी आ जाएगी।

ऑनलाइन लिंक कर सकते हैं आधार-पैन

सबसे पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ऑफिशियल वेबसाइट incometa&.gov पर जाएं।

इसमें साइड में लिंक आधार का ऑप्शन मिलेगा। इस पर क्लिक करने पर एक नया पेज खुलेगा।

इसमें आपको PAN नंबर, आधार नंबर और आधार कार्ड में दर्ज नाम डालकर लिंक आधार पर क्लिक करना होगा।

इसके बाद आयकर विभाग आपके दोनों नंबर को लिंक करने की प्रोसेस में डाल देगा।

देना होगा दोगुना TDS

सीए अभय शर्मा के अनुसार अगर किसी व्यक्ति के पास एक्टिव पैन नंबर नहीं है तो बैंक आपकी आय पर 20त्न की दर से TDS काटेगा। इसके साथ ही नियम के तहत अगर आपका पैन निष्क्रिय हो चुका है और फिर भी आप इसका उपयोग बैंक के लेन-देन या अन्य जगह करते हैं तो ऐसा माना जाएगा कि आपने कानून के तहत पैन नहीं दिया है।

लिंक न होने पर पैन हो जाएगा बेकार

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अनुसार अगर कोई पैन कार्ड होल्डर्स पैन को आधार से लिंक नहीं कराता है, तो उनके पैन को इनऑपरेटिव घोषित कर दिया जाएगा। इसके बाद वित्तीय लेनदेन में पैन का इस्तेमाल नहीं हो पाएगा। यह भी जान लीजिए कि अगर आप अपने बैंक अकाउंट से 50 हजार रुपए से ज्यादा की रकम निकाल या जमा कर कर रहे हैं तो आपको पैन कार्ड दिखाना पड़ता है। ऐसे में पैन के निष्क्रिय होने पर आप 50 हजार रुपए से ज्यादा का लेन देन नहीं कर सकेंगे। ऐसे में आपके ऊपर इनकम टैक्स एक्ट की धारा 272B के तहत 10 हजार रुपए का जुर्माना लग सकता है। एक्ट की धारा 139 के तहत मांगे जाने पर पैन दिखाना अनिवार्य है। हालांकि बैंक अकाउंट खुलवाने या फिर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए निष्क्रिय पैन का इस्तेमाल करने पर जुर्माना नहीं लगेगा।

दिल्ली के रशियन बाजार पर यूक्रेन संकट की मार

नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन का युद्ध तो यूक्रेन की धरती पर छिड़ा है मगर परेशानी दिल्ली के चाणक्यपुरी में हो रही है। चाणक्यपुरी का यशवंत प्लेस बाजार रशियन बाजार के नाम से मशहूर है और यहां के कारोबारी यूक्रेन में चल रही लड़ाई से परेशान हो गए हैं। दो साल से कोरोना का मार झेल रहे इस बाजार के कारोबारियों को इस साल सुधार की उम्मीद थी मगर सोवियत संघ के खत्म होने से अलग हुए दोनों देशों की जंग उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकती है। 50 साल से भी ज्यादा पुराने यशवंत प्लेस बाजार को रशियन बाजार इसलिए कहा जाता है क्योंकि रूस और यूक्रेन के पर्यटक यहां खूब आते हैं और यहां के चमड़ा उत्पाद उन्हें बहुत भाते हैं। इस बाजार के 80 फीसदी से ज्यादा ग्राहक इन दोनों देशों से ही आते हैं। 2000 में रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की पत्नी भी इस बाजार में आई थीं। बाजार में 125 दुकानें हैं, जिनका सालाना कारोबार कोरोना से पहले 50 से 60 करोड़ रुपये था। इस बाजार में चमड़े का सामान मसलन पर्स, बेल्ट, बैग, कैप, जैकेट व चमड़े की पोशाक तो बिकती ही हैं, कालीन और रत्नाभूषण भी खूब बिकते हैं। खरीदार इसलिए भी यहां से खरीदारी करते हैं कि यहां चमड़े का असली माल सस्ते दाम पर मिल जाता है। चमड़े के पर्स, बेल्ट, बैग, जैकेट की खूब बिक्री होती है। पर्स 200 से लेकर 1,000 रुपये, बैग 2,000 रुपये तक और जैकेट 1,000 से 5,000 रुपये में मिल जाते हैं।

सबसे निचले स्तर के करीब रुपया

मुंबई

अमेरिका मुद्रा डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट थम नहीं रही है। आज रुपया प्रति डॉलर 76 का स्तर पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने डॉलर की भारी बिकवाली की थी मगर इससे भी रुपये को खास मदद नहीं मिली। पिछले 11 महीनों में साप्ताहिक आधार पर रुपये में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस सप्ताह रुपया डॉलर की तुलना में 1.15 प्रतिशत कमजोर हो गया। बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में कारोबारियों ने कहा कि भारतीय मुद्रा सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचती दिख रही है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल का दाम अगर इसी तरह बढ़ता रहा तो रुपया डालर की तुलना में 77 का स्तर छू सकता है। कुछ लोगों का मानना है कि मार्च अंत तक रूस और यूक्रेन के बीच सैनिक संघर्ष थमने तक रुपया 77 के स्तर तक फिसल कर ऊपर चढ़ना शुरू कर सकता है। इस बारे में कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड में डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स ऐंड इंटरेस्ट डेरिवेटिव्स, अनिंद्य बनर्जी कहते हैं, %ऐसे कम मौके आते हैं जब भू-राजनीति की वजह से वित्तीय बाजार में उठापटक दिखती है। पिछले दो हफ्तों से कुछ ऐसा ही देखने में आ रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई में भारतीय मुद्रा, भारतीय बॉन्ड और भारतीय शेयरों पर असर हो रहा है। तेल के दाम, अमेरिकी डॉलर सूचकांक और वैश्विक शेयर मूल्य इसके पीछे प्रमुख कारक हैं।% बनर्जी ने कहा कि अगले सप्ताह वित्तीय आंकड़ों के लिहाज से अधिक सरगर्मी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा, %तेल के दाम, शेयर और अमेरिकी डॉलर सूचकांक अमेरिकी मुद्रा और रुपये का विनिमय मूल्य तय करेंगे। इससे पहले 16 अप्रैल 2020 को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 76.87 के स्तर पर बंद हुआ था, जो रुपये का सर्वकालिक निचला स्तर था। 22 अप्रैल 2022 को कारोबार के दौरान रुपया 76.92 तक पहुंच गया था। मौजूदा सप्ताह लगातार चौथा कारोबारी सत्र रहा।

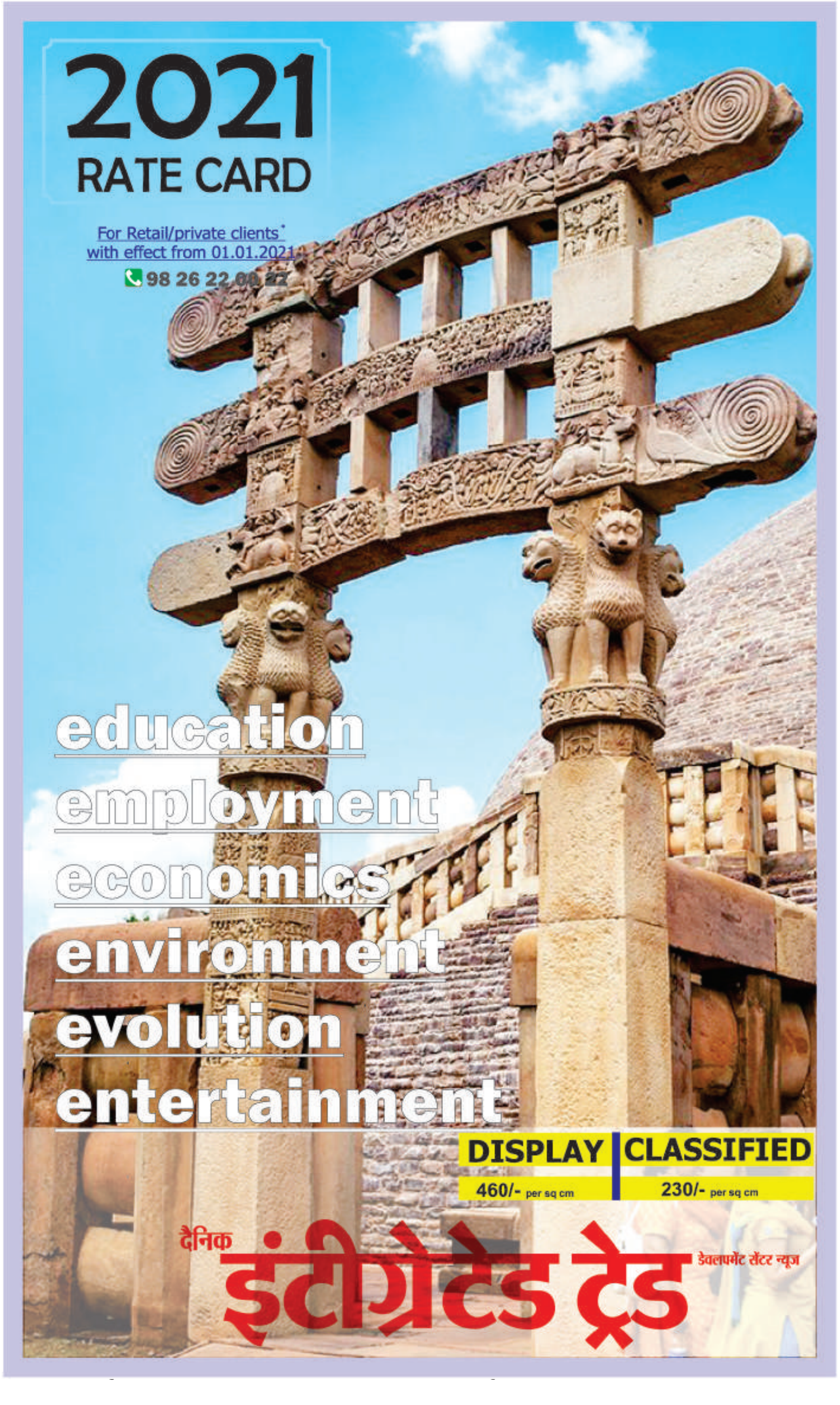

स्टार्टअप कंपनियों के आईपीओ ने पहुंचाया निवेशकों को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गमों यानी आईपीओ के लिए ऐतिहासिक साल साबित हुआ। इस दौरान 50 कंपनियों ने 1.15 लाख करोड़ रुपए प्राइमरी मार्केट से जुटाए। हालांकि, इस दौरान निवेशक उतने सौभाग्यशाली नहीं रहे और उन्हें इनमें से तीन चौथाई आईपीओ में तगड़ा चूना लग गया। प्राइम डेटाबेस से मिले आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल आए 50 आईपीओ में से 36 कंपनियों के शेयर इस समय लिस्टिंग प्राइज से नीचे चल रहे हैं। यानी जिन निवेशकों ने लिस्टिंग के समय इन शेयरों में पैसा लगाया वे नुकसान में हैं। इन 36 में से 22 कंपनियां तो ऐसी हैं, जिनके शेयर अपने इश्यू प्राइज से भी नीचे चल रहे हैं।

पिछले साल आए ज्यादातर आईपीओ ओवर प्राइस्ड

अल्टामाउंट कैपिटल मैनेजमेंट के डायरेक्टर प्रकाश दीवान के मुताबिक, पिछले साल आए ज्यादातर आईपीओ ओवर प्राइस्ड थे। बाजार में तेजी हो तो लालच के चलते ऐसे इश्यू भी ओवर सब्सक्राइब हो जाते हैं। ऐसे में करेक्शन वाले दौर में इनकी हालत खराब होनी ही थी। अभी जो शेयर लिस्टिंग प्राइस या इश्यू प्राइस से नीचे हैं, उनमें से अधिकांश पेटीएम और जोमैटो जैसी न्यू इकोनॉमी कंपनियां हैं। ये अब तक मुनाफे में नहीं आए हैं। अभी जैसे चुनौतीपूर्ण हालात में ऐसे शेयरों की हालत खराब होती ही है।

पेटीएम और कारट्रेड ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया

आंकड़े भी बताते हैं, जिन कंपनियों के आईपीओ में निवेशकों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है, उनमें से ज्यादातर फिनटेक स्टार्टअप के हैं। पेटीएम और कारट्रेड ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। हालांकि, इस दौर में कुछ आईपीओ ऐसे भी रहे जिनमें निवेशकों को 300 फीसदी तक मुनाफा हुआ। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक, तत्व चिंतन फार्मा, क्लीन साइंस एंड टेक और मैक्रोटेक डेवलपर्स ने निवेशकों की झोली भर दी।

मर्चेंट बैंकरों की भी कारस्तानी से बढ़ी गफलतः- एलकेपी सिक्युरिटीज के रिसर्च हेड एस. रंगनाथन ने कहा कि बीते साल आए आईपीओ में से ज्यादातर के मर्चेंट बैंकरों ने बड़ी चालाकी से कंपनी की वैल्यू की जगह स्टोरी बताई थी।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)